इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

पैसे बीमारी ठीक होने के बाद
उम्र की अधिकता और बीपी, शुगर से आई कमजोरी, मोटापा, लकवा, संतान न होना,नौजवानों की शारीरिक कमजोरी, धातु रोग, शीघ्र पतन, इन्द्रीयों की समस्या, शुक्राणु की कमी, टायमिंग की कमी एवं गुप्त रोगों का विशेष आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है। मनवाही शक्ति सफलता से प्राप्त करने हेतु संपर्क करें।
तुलसी आयुर्वेदिक
चौरसिया कॉम्प्लेक्स (मस्जिद के सामने)
गुड़ाखू लाईन, शॉप नं.-4, राजनांदगांव
मो.नं.-7566609039
हर दिन सु. 10 बजे से शाम 7 बजे तक

वर्ष- 43 अंक -186 राजनांदगांव, शुक्रवार 24 मई 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

छठे चरण का चुनाव प्रचार थमा, आठ राज्यों की 58 सीटों के लिए 25 मई को होगा मतदान

नई दिल्ली। देश में चल रहे लोकतंत्र के महापर्व में एक बार फिर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए चुनाव प्रचार गुरुवार को थम गया। इसके साथ ही आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 58 लोकसभा सीटों पर मतदान की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। जहां 25 मई को यानी शनिवार को वोट डाल जाएंगे। इनमें दिल्ली और हरियाणा की सभी सीटों सहित उत्तर प्रदेश की 14, बिहार की आठ, पश्चिम बंगाल की आठ, झारखंड की चार और ओडिशा की छह सीटें शामिल है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट के लिए भी इसी चरण में मतदान होगा। इस सीट पर वैसे तो तीसरे चरण में ही चुनाव प्रस्तावित था, लेकिन मौसम खराब होने के चलते इसे छठे चरण के लिए आगे बढ़ा दिया गया था।

छठे चरण में भी दिग्गज मैदान में

सात चरणों के लोकसभा चुनाव में छठे चरण में जिन चर्चित और दिग्गज चेहरों की किस्मत दांव पर लगी है, उनमें पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, राव इंद्रजीत और कृष्ण पाल गुर्जर, मेनका गांधी, अभिनेता राज बब्बर, मनोज तिवारी और दिनेश कुमार यादव निरहुआ आदि शामिल है।

छठे चरण में लोकसभा की जिन 58 सीटों पर मतदान होगा, 2019 में उनमें से 40 सीटों पर भाजपा और एनडीए ने जीत दर्ज की थी। इनमें दिल्ली की सभी सात व हरियाणा की सभी दस सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस लिहाज से छठा चरण सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। हालांकि इस बार दोनों ही राज्यों में स्थितियां थोड़ी बदली हुई है।

आप और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ रहे चुनाव

दिल्ली में इस बार आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, 2019 में दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। वहीं हरियाणा में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की सहयोगी पार्टी जननायक जनता पार्टी उनसे अलग हो गई है। राज्य की कमान भी अब मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी के हाथ में है।

छठे चरण में 889 प्रत्याशी है मैदान

लोकसभा के छठे चरण के चुनाव में कुल 889 प्रत्याशी मैदान में है। इनमें सबसे अधिक 223 प्रत्याशी हरियाणा के है, जबकि सबसे कम 20 प्रत्याशी जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग -राजौरी लोकसभा सीट से मैदान में है। वहीं उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर कुल 162 प्रत्याशी, बिहार की आठ सीटों पर 86 प्रत्याशी, दिल्ली की सात सीटों पर 162, पश्चिम बंगाल की आठ सीटों के लिए 79, झारखंड की चार सीटों के लिए 93 और ओडिशा की छह सीटों के लिए 64 प्रत्याशी मैदान में है। हालांकि इन 58 सीटों पर कुल 1978 लोगों ने नामांकन किया था, जिसमें से सिर्फ नौ सौ लोगों के ही नामांकन वैध पाए गए थे। बाद में इनमें से भी नाम वापस लेने के बाद अब कुल 889 प्रत्याशी ही मैदान में रहे गए है।

अब तक कितने प्रतिशत रहा मतदान

गौरतलब है कि लोकसभा के अब तक हो चुके पांच चरणों के चुनाव में औसतन 65.96 प्रतिशत मतदान हुआ है। इनमें सबसे कम 62.2 प्रतिशत मतदान पांचवें चरण में हुआ है, वहीं सबसे अधिक 69.16 प्रतिशत मतदान चौथे चरण में हुआ है।

जबकि पहले चरण में 66.14 प्रतिशत, दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत व तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ है।

जवानों ने मुठभेड़ में 7 नक्सलियों को किया ढेर, बड़ी संख्या में हथियार और शव किये बरामद

दंतेवाड़ा (दावा)। नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिला से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां जवानों ने मुठभेड़ में 7 नक्सलियों को मार गिराया है। आपको बता दे कि बीजापुर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें बस्तर फाइटर्स और नारायणपुर के जवानों ने संयुक्त आपरेशन चलाकर माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए 7 नक्सलियों को मार गिराया है। मौके से जवानों ने हथियार और शव बरामद किये है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में सरकार बदलने के बाद जवान लगातार माओवादियों का मुंहतोड़ जवाब दे रहे है। दंतेवाड़ा जिला के सीमावर्ती क्षेत्र में एक बार फिर नक्सली और जवानों के बीच आज सुबह से ही सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ चल रहा था। बताया जा रहा है कि जंगल में सर्चिंग पर निकले जवानों पर नक्सलियों ने एकाएक फायरिंग खोल दी गयी थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में बड़े कैडर के नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स ने संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया।

जिसमें दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिले से डीआरजी और एसटीएफ के लगभग 1 हजार से ज्यादा जवान ऑपरेशन पर शामिल थे। सुबह से ही चले इस मुठभेड़ में दोनों तरफ से हुई फायरिंग के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से भाग निकले।

इसके बाद जंगल में सर्चिंग के दौरान जवानों ने 7 माओवादियों के शव बरामद किये है। जवानों को मिली इस बड़ी सफलता की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव रॉय ने इसकी पुष्टि की है। आपको बता दे कि इस आपरेशन को तीन जिलों की पुलिस टीम ने मिलकर अंजाम दिया है। जिसमें जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देने में बड़ी सफलता हासिल की है।

सेक्स स्कैंडल में फंसे प्रज्वल को देवगौड़ा की चेतावनी: भारत लौटो और जांच का सामना करो

बंगलूरू। कर्नाटक की राजनीति में प्रज्वल रेवन्ना मामले के बाद हलचल मची हुई है। कई महिलाओं से दुष्कर्म और यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल विदेश में हैं। अब देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने उन्हें चेतावनी दी है कि भारत लौटकर जांच का सामना करें। बता दें कि एचडी देवगौड़ा प्रज्वल रेवन्ना के दादा हैं।

आत्मसमर्पण करें प्रज्वल- एचडी देवेगौड़ा

देवेगौड़ा ने यह दावा भी किया है कि पूछताछ के दौरान उनके परिवार द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रज्जवल रेवन्ना को कई महिलाओं से दुष्कर्म के मामले में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहिए। बता दें कि 27 अप्रैल को हासन सांसद विदेश चले गए थे। देवेगौड़ा ने कहा कि अगर प्रज्वल दोषी पाए गए तो सख्त से सख्त सजा दी जाए।

यह अनुरोध नहीं चेतावनी है- एचडी देवेगौड़ा

एचडी देवेगौड़ा ने कहा 'इस समय मैं केवल एक ही काम कर सकता हूं। मैं प्रज्वल को कड़ी चेतावनी दे सकता हूं। मैं उन्हें वापस लौटने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कह सकता हूं। प्रज्वल को खुद को कानूनी के आगे आत्मसमर्पण करना चाहिए।' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कोई अनुरोध नहीं बल्कि चेतावनी है। देवेगौड़ा ने कहा 'अगर प्रज्वल ने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया तो उन्हें मेरे पूरे परिवार को क्रोध झेलना पड़ेगा। अगर उनके दिल में मेरे लिए थोड़ा सा भी सम्मान है, तो उन्हें जल्द से जल्द वापस लौटना होगा।' पूर्व पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि पीड़ितों को न्याय मिलना आवश्यक है।

परिवार को अपमान झेलना पड़ा है- एचडी देवेगौड़ा

एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि प्रज्वल के कारण उनके पूरे परिवार, उनकी पार्टी जेडी-एस को अपमान झेलना पड़ा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर प्रज्वल दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। जब देवेगौड़ा से सवाल किया गया कि 'क्या आपको इस मामले की जानकारी नहीं थी', पूर्व पीएम इस सवाल को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

प्रज्वल का पासपोर्ट रद्द करने की कार्रवाई शुरू

उधर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने केंद्र को पत्र भेजकर प्रज्वल के पासपोर्ट को रद्द करने की मांग की है। इस मामले में विदेश मंत्रालय द्वारा कहा गया है कि जेडी-एस के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पासपोर्ट को रद्द करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कोयला घोटाला: रानू साहू और सौम्या चौरसिया को रिमांड पर लेगी ईओडब्ल्यू, कोर्ट में हुई पेशी

रायपुर (दावा)। कोयला घोटाला केस में निलंबित आईएएस रानू साहू और डिप्टी कलेक्टर सौम्या चौरसिया को प्रोडक्शन वारंट पर रिमांड में लेने के लिए अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट में पेश किया गया। ईओडब्ल्यू ने दोनों को रिमांड पर लेने अर्जी लगाई है। ईओडब्लू के प्रोडक्शन वारंट की तामील करने के लिए एडिशनल एसपी चंद्रेश ठाकुर को जवाबदेही मिली है।

सौम्या चौरसिया और रानू साहू को न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट में पेश किया गया। एसीबी कोर्ट की विशेष न्यायाधीश निधि शर्मा तिवारी न्यायालयीन कार्य की वजह से हाईकोर्ट में है, इसलिए इन्हें न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अदालत में पेश किया गया।

कोयला घोटाला मामले में ईडी के अनुसार कोयले के परिवहन में 25 रुपए टन की अवैध वसूली होती थी। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि यह गिरोह बनाकर किया जाता था। इस गिरोह का किंगपिन सूर्यकांत तिवारी था। सूर्यकांत तिवारी को असीमित ताकत तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया से हासिल होती थी।

सौम्या चौरसिया के प्रभाव की वजह से राज्य में पुलिस हो या प्रशासन कोई भी सूर्यकांत तिवारी को रोकने की हैसियत नहीं रखता था। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

रीपा केंद्रों में बरती गई अनियमितता, जांच के लिए 10 अधिकारियों की टीम गठित, सात दिनों में सौपेंगे रिपोर्ट

- रायपुर संभाग के 17 रीपा केंद्रों की जांच के लिए टीम गठित
- दस अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी, सात दिनों में सौपेंगे रिपोर्ट

रायपुर। रायपुर संभाग के रीपा (ग्रामीण औद्योगिक पार्क) केंद्रों की जांच के लिए दस सस्यीय टीम गठित की गई है। टीम में प्रमुख सचिव के साथ अन्य उच्च अधिकारी शामिल हैं। सात दिनों में 17 रीपा केंद्रों की जांच कर रिपोर्ट सौंपी जानी है। पंचायत एंव ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव अजय कुमार त्रिपाठी ने एक आदेश भी जारी किया है। सात अधिकारियों को दो-दो तथा तीन को एक-एक केंद्रों के जांच की जिम्मेदारी मिली है।

बताते चलें कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए रीपा में जमकर अनियमितता बरती गई है। कुछ जिलों में रीपा के नाम पर राशि तो खर्च कर दी गई है, लेकिन अब तक शुरू ही नहीं हो पाया है। ऐसे ही कुछ जिलों में सिर्फ पैकेजिंग सेंटर तो कुछ में ताले लग गए हैं। रीपा में सही तरीके से न पार्किंग बनाई गई है और न ही गोदाम का निर्माण हुआ है। राज्य सरकार ने 15 फरवरी को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी से तीन महीने के भीतर जांच कराने का निर्णय लिया था।

प्रदेश के 146 विकासखंडों में संचालित 300 रीपा केंद्र जांच के दायरे में है। रीपा में भ्रष्टाचार की जांच के लिए संभागवार अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। रायपुर संभाग की जिम्मेदारी प्रमुख सचिव निहारिका बारिका, दुर्ग की सचिव कमलप्रीत सिंह, बिलासपुर की सचिव मुकेश बंसल, बस्तर की सचिव अंकिता आनंद और सरगुजा की सचिव शमी आबिदी को सौंपी गई है। संभागवार अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीम गठित कर रीपा केंद्रों की जांच की जा रही है।

टीम में 10 अधिकारी शामिल

छत्तीसगढ़ के इन रीपा केंद्रों में बरती गई अनियमितता, जांच के लिए 10 अधिकारियों की टीम गठित, सात दिनों में सौपेंगे रिपोर्ट छत्तीसगढ़ के इन रीपा केंद्रों में बरती गई अनियमितता, जांच के लिए 10 अधिकारियों की टीम गठित, सात दिनों में सौपेंगे रिपोर्ट

रायपुर संभाग के रीपा केंद्रों की जांच के लिए दस सस्यीय टीम में प्रमुख सचिव निहारिका बारिक, सचिव राजेश राणा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी भीम सिंह, आयुक्त दीपक सोनी, संचालक रजत बंसल, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से आठ की मौत, 48 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के डोंबिवली में गुरुवार को एक रासायनिक कारखाने में बॉयलर विस्फोट के बाद भीषण आग लगने से कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र के फेस-2 में स्थित एम्बर केमिकल कंपनी के बॉयलर में हुआ।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुये बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि इसे एक किलोमीटर दूर तक आवाज सुनायी दी। निकटवर्ती इमारत के शीशे टूट गए, जबकि आसपास के कई घर विस्फोट से क्षतिग्रस्त हो गए। एक नागरिक अधिकारी ने बताया कि घायल श्रमिकों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। ठाणे नगर निकाय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा कि विस्फोट दोपहर करीब 1.40 बजे रसायन कारखाने में हुआ।

उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद लगी आग आसपास की तीन फैक्टरियों में फैल गई और धुएं और आग की लपटें काफी दूर से देखा जा सकती थी। उन्होंने कहा, घायलों के इलाज की व्यवस्था की गई है और अधिक एम्बुलेंस तैयार रखी गई हैं। मैंने ठाणे कलेक्टर से चर्चा की है और वे भी मौके पर पहुंच रहे हैं... राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) टीडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमों को बुलाया गया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने 'एक्स' पर कहा, 'मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' विस्फोट अपराह्न के भोजन के समय अमुदान केमिकल कंपनी लिमिटेड के एक बॉयलर में हुए और जिला अधिकारियों ने बचाव अभियान में मदद के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय दमकल विभाग और पुलिस को बुलाया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आग की लपटें आसपास के अन्य उद्योगों में न फैल सके।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ओबीसी प्रमाण पत्र किये रद्द : सीएम साय ने किया फैसले का स्वागत, बोले- धर्म के तहत नहीं होना चाहिए आरक्षण

रायपुर। कलकत्ता हाई कोर्ट बुधवार को वर्ष 2010 के बाद तृणमूल सरकार द्वारा जारी कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र को असंवैधानिक बताते हुए उसे रद कर दिया है। जिसको लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, धर्म आधारित आरक्षण पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का निर्णय स्वागत योग्य है। यह धर्म आधारित वोटबैंक की राजनीति करने वालों, तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा है।

इंडी गठबंधन कर रही संविधान की हत्या

उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस और इंडी गठबंधन लगातार संविधान की हत्या की साजशि कर रही है। हम सभी जानते हैं कि धर्म आधारित आरक्षण का भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। कल कलकत्ता उच्च न्यायालय का इससे संबंधित एक फैसला आया है। जिसमें कोर्ट ने 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी किए गए सभी धर्म आधारित ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। यह देश के ओबीसी, आदिवासी और तमाम पिछड़े समाजों के लिए बड़ा फ़ैसला है।

सीएम श्री साय ने आगे कहा कि, हाईकोर्ट ये फैसले बताते हैं कि, ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से, तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। इंडी गठबंधन केवल वोट बैंक की राजनीति के कारण लगातार आदिवासियों, पिछड़ों के हक पर डाका डाल रही है और उनका अधिकार छीन कर मुसलमानों को देना चाहती है। इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है। उन्होंने आगे कहा कि, इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि, वे इस निर्णय को नहीं मानेंगी और नहीं लागू करेंगी। यह बहुत ही दुर्भाग्यजनक है।

धर्म आधारित आरक्षण का भारत के संविधान में नहीं है कोई स्थान

उन्होंने आगे कहा कि, हमारे पीएम मोदी लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि, धर्म आधारित किसी आरक्षण का भारत के संविधान में कोई स्थान नहीं है। लगातार संविधान के बारे में दुष्प्रचार करने वाली कांग्रेस को बताना चाहिए कि, इस तरह इंडी गठबंधन द्वारा किए जा रहे थे। इस कृत्य पर उनका क्या कहना है? भाजपा जहां परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है। वहीं कांग्रेस और उसका इंडी गठबंधन तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पार कर हर हद पार कर रही है। ना तो भाजपा इसे जनता सहन करेगी और न ही (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ईरान के राष्ट्रपति रईसी हुए सुपुर्द-ए-खाक : अंतिम विदाई में 30 लाख लोगों की भीड़ उमड़ी

- 68 देशों के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का मशहद शहर में अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें समन अल-हज्जाज अली बिन मूसा अल-रजा की शरीफ दरगाह के पास दफनाया गया। मशहद वही शहर है, जहां रईसी का जन्म हुआ था। रईसी के शव को सुपुर्द-ए-खाक किए जाने से पहले उनकी अंतिम यात्रा में करीब 30 लाख लोग शामिल हुए। उनके हाथ में ईरान का झंडा और रईसी की तस्वीरें थीं। तुर्किये की न्यूज एजेंसी अनादोलु के मुताबिक, दुनिया भर से करीब 68 देशों के नेता-डिप्लोमैट्स ने भी रईसी को श्रद्धांजलि दी। इनमें भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल रहे। उनके अलावा कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी, इराकी पीएम मोहम्मद शिया अल सुडानी और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के अलावा कई देशों के नेता-अधिकारी ईरान पहुंचे थे। रईसी को आखिरी विदाई देने के लिए तालिबान के डिप्टी पीएम मुल्ला बरादर, हमास के पॉलिटिकल लीडर इस्माइल हानिए और हूती विद्रोहियों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

काले कपड़े पहनकर पहुंचे हजारों नागरिक

इससे पहले बुधवार को इब्राहिम रईसी सहित अन्य अधिकारियों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की अगुआई में शुरू हुई। उन्होंने रईसी के लिए प्रार्थना की। इसे देखने के लिए देशभर के विभिन्न जगहों से हजारों लोग तेहरान पहुंचे। पार्थिव शरीर के साथ निकाले गए जुलूस में ईरानी नागरिक काले कपड़े पहनकर शामिल हुए। इसके बाद तेहरान विश्वविद्यालय में मृतकों के ताबूत रखे गए। इन ताबूतों को ईरानी ध्वज में लपेटा गया। इन पर मृतकों की तस्वीरें लगाई गई थीं। तेहरान में अंतिम विदाई के कार्यक्रम को लेकर इब्राहिम रईसी के बड़े-बड़े बैनर लगाए गए, जिनमें दिवंगत राष्ट्रपति को शहीद बताया गया। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

रईसी की मौत के बाद कुर्द इलाकों में जश्न मना रहे लोग

रईसी की मौत से ईरान और दुनियाभर के देश सदमे में हैं। वहीं ईरान में एक हिस्सा ऐसा भी है जो उनकी मौत का जश्न मना रहा है। टाईम की रिपोर्ट के मुताबिक, कुर्द इलाकों में रहने वाले लोग और रईसी के कार्यकाल में हुए आंदोलनों में घायल और जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वाले उनकी मौत का जश्न मना रहे हैं। 2022 में विरोध प्रदर्शन के दौरान मारी गईं 62 साल की मीनू मजीदी की बेटियों ने रईसी की मौत का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया। उनके अलावा दो और ईरानी महिलाओं मसरादेह शाहीनकर और सिमा मुरादबेगी ने डांस कर रईसी की मौत का जश्न मनाते हुए वीडियो साझा किए।

मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर, सीएम साय बोले- नक्सलवाद का खात्मा हमारा लक्ष्य

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर जिलों की एक जंगल में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में सात नक्सली मारे गए। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई। सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी, जो अभी भी जारी है। जवान नक्सलियों का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। सर्च में अब तक सात वर्दीधारी नक्सलियों के शव तथा सात हथियार बरामद हुए हैं और कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, मुठभेड़ स्थल से अब तक सात नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं। यह ऑपरेशन में दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बस्तर जिलों के जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और स्पेशल टास्क फोर्स के जवान शामिल थे। राज्य पुलिस की सभी इकाईयां माओवादियों की इंद्रावती क्षेत्र समिति के कैडरों की उपस्थिति के बारे में इनपुट के आधार पर शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन जारी है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इस घटना के साथ ही इस साल राज्य में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 107 नक्सली मारे जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर में सात नक्सलियों के मारे जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा की है। उन्होंने लिखा कि सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच हुई मुठभेड़ में सात नक्सलियों के मारे जाने की सूचना मिली है। यह निश्चित ही सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है। उनके साहस को सलाम करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है।

हम बातचीत के लिए तैयार, शस्त्र छोड़कर आत्मसमर्पण करें- विजय शर्मा

बीजापुर और दंतेवाड़ा के सीमा क्षेत्रों में बस्तर फाइटर, एस.टी.एफ और डीआरजी के जवानों की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन सर्चिंग शुरू की थी और उसके अंतर्गत मुठभेड़ हुई। जिसमें वर्दी धारी सात नक्सली मारे गए हैं। ये सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता है। पुनः क्षेत्र में सुरक्षा बलों की भुजाओं की ताकत पर ये संभव हो सका है। मैं माओवादियों से फिर भी अपील करता हूं कि आप समर्पण करें। मुख्य धारा में वापस आए। पुनर्वास करे और आपकी पुनर्वास के लिए जो आवश्यकता है, वो आप बताए सरकार उसे पूरा करेगी। सरकार वार्ता करने के लिए हर समय तैयार है।

आरक्षण पर कलकत्ता हाईकोर्ट का निर्णय कांग्रेस और इंडी गठबंधन के गाल पर करारा तमाचा - साव

0 उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने फैसले का स्वागत कर कहा : इस निर्णय ने कांग्रेस समेत तमाम भाजपा विरोधी दलों का पिछड़ा वर्ग विरोधी डीएनए जगजाहिर कर दिया है

अनेक राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने मुस्लिम समाज को धर्म के आधार पर संविधान के विपरीत आरक्षण देने और पिछड़ा वर्ग के हितों पर डाका डालने का प्रयास किया है

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आरक्षण को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के ताजा फैसले का स्वागत करते हुए इसे कांग्रेस और इंडी गठबंधन के गाल पर करारा तमाचा बताया है। संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का मिथ्या आरोप भाजपा पर मढ़कर अनर्गल प्रलाप करने वाली कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन ने पिछड़े वर्ग के हक पर डाका डाला, उसे लूटा, पिछड़े वर्ग के लोगो के साथ षड्यंत्र किया। श्री साव ने कहा कि इस निर्णय ने कांग्रेस समेत तमाम भाजपा विरोधी दलों का पिछड़ा वर्ग विरोधी डीएनए जगजाहिर कर दिया है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनकर मुसलमानो को देना असंवैधानिक है और भाजपा पूरी ताकत से ऐसे षड्यंत्रकारियों से लड़कर पिछड़े वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करेगी। श्री साव ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय का ताजा-ताजा फैसला जो आया है, उसके बाद कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन का राजनीतिक दोगलापन और झूठ बेनकाब हो चला है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस प्रकार से पिछड़ा वर्ग के अधिकारों को लूटकर पिछड़ा वर्ग के अधिकारों पर डाका डालकर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुसलमानों को आरक्षण देने का काम कर रहे हैं, यह अब आईने की तरह साफ हो गया है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जिस प्रकार से अनेक राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने मुस्लिम समाज को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया, वह आरक्षण पूरी तरह संविधान के विपरीत है। पिछड़ा वर्ग के हितों पर डाका डालकर आरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय और शोषण करने का काम कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दल करते रहे हैं, कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले यह बात स्पष्ट हो गई है। श्री साव ने दो टूक कहा कि किसी को भी पिछड़ा वर्ग के हितों के साथ खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा, पूरी ताकत से पिछड़े वर्ग के साथ किए जाने वाले अन्याय का विरोध होगा और पूरी ताकत से उसके लिए लड़ाई लड़ी जाएगी।

पहला कॉलम...

16 साल की सौम्या ने किया एवरेस्ट फतह, अब अंटार्कटिका के विनसन मैसीफ पर निगाहें

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोलह साल की काम्या कार्तिकेयन माउंट एवरेस्ट के शिखर पर नेपाल की तरफ से पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हैं। नेवी चिल्ड्रन स्कूल, मुंबई की 12वीं कक्षा की छात्रा की इस उपलब्धि पर भारतीय नौसेना ने गुरुवार को उन्हें बधाई दी। काम्या ने अपने पिता और नौसेना अधिकारी कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ 20 मई को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत शिखर को फतह करने का कारनामा कर दिखाया था। नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, काम्या ने सात में से छह महादेशों के सबसे ऊंचे पर्वत शिखरों पर पहुंचने में अदम्य और सतत साहस का परिचय दिया है। भारतीय नौसेना सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर फतह हासिल कर ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बनने की उनकी महत्वाकांक्षा के लिए युवा काम्या को शुभकामनाएं देती है। काम्या का अगला लक्ष्य इस साल दिसंबर में अंटार्कटिका का माउंट विनसन मैसीफ को फतह करना है। यह मुकाम हासिल करते ही वह सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर पहुंचने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बन जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2020 के 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था कि छोटी उम्र की काम्या कार्तिकेयन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

कृष्ण कुमार तिवारी की काया पंचतत्व में विलीन

राजनांदगांव (दावा)। दस्तावेज लेखक कृष्ण कुमार तिवारी का बुधवार 22 मई की रात्रि लगभग 8.30 बजे निधन हो गया। वे पिछले एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहे थे। वे 87 वर्ष के थे। श्री तिवारी स्व. मनीष तिवारी एवं क्रिकेट कोच मनोज तिवारी के पिता थे। उनकी अंतिम यात्रा आज 23 मई गुरूवार को प्रातः दस बजे उनके चिखली स्थित निवास से मठपारा स्थित मुक्तिधाम के लिए निकली। मुक्तिधाम में श्री तिवारी को उनके पुत्र मनोज तिवारी ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मुक्तिधाम में पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, कान्यकुब्ज सभा के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने संबोधित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि मृतात्मा को अपने चरणों में स्थान दें तथा शोक संतृप्त परिजनों को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें। शोक सभा का संचालन अजय शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने 2 मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चन्द्रभूषण अर्ल्बट (भूषण) का निधन

राजनांदगांव (दावा)। भिलाई चरोदा निवासी चन्द्रभूषण अर्ल्बट (भूषण 71 वर्ष) का आकस्मिक निधन 23 मई गुरूवार को प्रातः 11.30 बजे हो गया। मिलनसार एवं मृदभाषी व्यक्तित्व के धनी श्री अर्ल्बट अपने पीछे पत्नि, तीन पुत्रों व पोता-पौती का परिवार छोड़ गये। वे राजनांदगांव निवासी डब्बू, निक्की, जीतू, अमित लाल के मामा जी थे। उनकी अंतिम यात्रा निज निवास दिनदयाल कॉलोनी से प्रातः 11 बजे 24 मई 2024 शुक्रवार को चरोदा भिलाई ईसाई कब्रिस्तान हेतु निकाली जावेगी।

शिवनाथ नदी के पीछे अवैध प्लाटिंग पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं टाउनकंट्री प्लानिंग की संयुक्त कार्रवाही

दुर्ग (दावा)। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में शिवनाथ नदी के पीछे करीब 40 से 45 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसके लिए यहां भू-माफिया द्वारा मुरुम डालकर रास्ता बना लिया गया था, जिसे बुधवार शाम आधी तूफान और बरसते पानी के समय जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन के अमला ने जेसीबी की मदद से उखाड़ फेंका। इस मामले की शिकायत रेरा में की गई थी।

शिकायत के आधार पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के बाद निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में एक्शन लेते हुए कड़ी कार्रवाई की गई। अवैध प्लाटिंग करने वालों ने यहां मुरुम बिछाकर सड़क बना ली थी।शिवनदी के पीछे अवैध प्लाटिंग पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं टाउनकंट्री प्लानिंग की संयुक्त कार्रवाई, जिसे बुधवार शाम कब्जाधारियों के विरोध के बाद भी सख्ती से कार्रवाई की गई, कार्रवाई के दौरान एसडीएम मुकेश रावटे, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, भवन अधिकारी गिरीश दीवान, तहसीलदार प्रफ्फुल गुप्ता, राजस्व व अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं ग्राम व नगर निवेश न विभाग दुर्ग के संयुक्त संचालक व निगम अमला की मौजूदगी में उखाड़ दिया गया। जेसीबी से मुरुम बिछाकर बनाई गई रोड व अन्य को ध्वस्त कर दिया गया।

नगर निगम के भवन अधिकारी गिरीश दीवान ने बताया कि कार्रवाई के बाद मौके पर एक सूचना बोर्ड लगा दिया गया है कि उक्त जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। ज्ञात हो कि उक्त मामले की शिकायत छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर में की गई थी। जिसकी शिकायत की प्रतिलिपि जिला प्रशासन को भेजी गई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अब तक जमीन किसी को भी नहीं बेची गई है।

उल्लेखनीय है कि शहर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग के अमला को भी अवैध प्लाटिंग पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।इसकी सूचना मिलने पर कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया है। ग्राम पुलगांव में अवैध प्लॉटिंग के उद्देश्य से बनाए गए निर्मित संरचना को आज नगर निगम और राजस्व की संयुक्त कार्यवाही से जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त करने की कार्यवाही की गई।

ग्राम पुलगांव के निजी भूमि खसरा नंबर 47/31, 47/17, 7, 9, 12, 49/2,3, 11 सहित अन्य 08 खसरों पर बिना अनुज्ञा के लगभग 40 से 45 एकड़ भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की मंशा से निर्मित किए गए रोड रास्ता, नाली आदि स्ट्रक्चर को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त करने कार्यवाही की गई है। अलग अलग भू धारकों के नाम से धारित भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की पूरी तैयारी कर लिए जाने की शिकायत छत्तीसगढ़ भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) को मिलने पर आज यह बड़ी कार्यवाही की गई। उक्त खसरों पर अवैध विकास की कार्यवाही की जा रही थी जिसका रेरा सहित अन्य सक्षम अधिकारियों से विधिवत अनुमति नहीं ली गई थी। पर्यावरण सुरक्षा को कोई हानि तो नहीं हो रही इसकी भी जांच कराई जायेगी। इस समय ग्राम तथा नगर निवेश के सहायक संचालक सूर्यभान सिंह, राजस्व निरीक्षक द्वारका परगनिहा, पटवारी टेकराम साहू सहित निगम अमला आदि मौजूद रहे।

इलाज में लापरवाही : ऑपरेशन में मरीज की मौत, अस्पताल-डॉक्टर पर कार्रवाई

45 दिन में देना होगा हर्जाना

बिलासपुर। इलाज और ऑपरेशन में लापरवाही से युवक की मौत को गंभीरता से लेते हुए जिला उपभोक्ता फोरम बिलासपुर ने आवेदकों को राहत दी है। डॉक्टर और न्यू वेल्यू हॉस्पिटल को मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये 45 दिन के भीतर देने का आदेश दिया है। साथ ही आदेश की कॉपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को भेजने का निर्देश दिया है। ताकि ऐसी घटना पर रोक लगाया जा सके।

जांजगीर-चांपा निवासी युवक छोटेलाल बिलासपुर के मंगला में रह रहा था। उसके गले में सर्वाइकल पेन की समस्या आने पर वह 2016 में मगरपारा स्थित न्यू वेल्यू हॉस्पिटल गया। यहां लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. ब्रजेश ने एमआरआई के बाद ऑपरेशन किया और दूषित ब्लड चढ़ा दिया। इस वजह से छोटेलाल टंडन की तबियत बिगड़ने लगी, उसका पेट फूलने के बाद अंतड़ी फट गई। इसके बाद दोबारा उसका ऑपरेशन किया गया। दूसरे दिन हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई।

छोटेलाल के परिजनों ने जिला उपभोक्ता फोरम में परिवाद दायर किया। परिवाद दायर होने के बाद से डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन ने फोरम में एक बार भी डिस्चार्ज समरी प्रस्तुत नहीं की। जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष आनंद कुमार सिंघल, सदस्य आलोक पांडेय और पूर्णिमा सिंह ने सुनवाई के बाद डॉक्टर ब्रजेश और न्यू वेल्यू हॉस्पिटल को मृतक छोटेलाल के परिजनों को 45 दिनों के भीतर 10 लाख रुपए देने का आदेश दिया है।

नेशनल क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में युगांतर विजेता

राजनांदगांव (दावा)। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी युगांतर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने गोवा में 18 मई से 22 मई तक आयोजित टी-10 ओवर आर्म राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता के खिताब में कब्जा किया। विद्यालय की टीम ने मुंबई महाराष्ट्र की टीम को हराकर चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

मुंबई महाराष्ट्र की टीम ने निर्धारित 10 ओव्हरो में 85 रन बनाए। युगांतर की टीम ने इस लक्ष्य को 4 विकेट खोकर 7 ओव्हर 5 गेंद में प्राप्त कर 6 विकेट से ऐतिहासिक जीत की इबारत लिखी।

युगांतर के आयुष अग्रवाल को बेस्ट बालर तथा अंकेश अग्रवाल को बेस्ट बैट्समैन के खिताब से नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में युगांतर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए केरल, तेलंगाना, गोवा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल, तेलंगाना और गोवा की टीमों ने भाग लिया, जिसमें युगांतर की टीम अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर विजेता बनी।

युगांतर की ओर से आयुष अग्रवाल, अंकेश अग्रवाल के अलावा विशेष अग्रवाल, अभय कश्यप, यशवंत सारथी, भूयेश चतुर्वेदी, प्रज्ज्वल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, बिवन सराफ, प्रथम सकुनिया, आदित्य अग्रवाल ने भी अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय के चेयरमैन विनोद सदानी, सेक्रेटरी विनय डड्ढा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा, निदेशक अकेडमिक्स तथा स्पोर्ट्स सुशील कोठारी, अजय सिंगी, नरेंद्र कोटड़िया, पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह, क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी अशोक मेहर, युगांतर के क्रिकेट कोच संतोष यादव, टीम मैनेजर नवनीत द्विवेदी सहित युगांतर परिवार ने प्रतिस्पर्धा में विद्यालय टीम के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर बधाई दी है।

भाजपा सरकार में प्रदेश में बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या बढ़ी -कांग्रेस

कांग्रेस सरकार में 23 घंटा बिजली की आपूर्ति होती थी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं। कांग्रेस की सरकार के दौरान 23 घंटा बिजली की आपूर्ति होती थी। गर्मी के दिनों में मांग बढ़ने पर दूसरे राज्यों से भी बिजली की खरीदी किया जाता था और आम जनता को 23 घंटा बिजली की आपूर्ति की जाती थी। रवि फसल लगाने वाले किसानों को भी बोरवेल चलाने के लिए बिजली निशुल्क मिलता था।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के दौरान बिजली आपूर्ति निर्बाध गति से चले इसके लिए ट्रांसफार्मर के पावर बढ़ाए गए थे नए ट्रांसफार्मर लगाए गए थे। ट्रांसमिशनों को अपग्रेड किया गया। भाजपा की सरकार में चार माह में ही बिजली की व्यवस्था चरमरा गई है आम जनता सड़कों पर उतरकर बिजली की समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन सरकार के दौरान भी बिजली एक बड़ी समस्या थी गांव में बिजली गुल होना आम बात हो गई थी और चार माह में वही स्थिति फिर निर्मित हो गई है शहर में ही बिजली दो-दो, तीन-तीन घंटा बंद रहती है ग्रामीण क्षेत्र की हालत तो बेहद खराब है। मुख्यमंत्री के गृह जिला के नागरिक भी बिजली के आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान बिजली की समस्या को लेकर 5 साल तक जनता को सड़क पर उतरना नहीं पड़ा था।

विद्युत मंडल की लापरवाही और मनमानी पर चला उपभोक्ता आयोग का डंडा

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी की मनमानी पर उपभोक्ता आयोग का डंडा चला है। परिवादी को मनमाना बिजली बिल भेजने तथा उसे सुधारने की शिकायत को अनदेखा करने के कारण उपभोक्ता आयोग द्वारा विद्युत वितरण कंपनी पर रु. 17000 का जुर्माना लगाया गया है और लगभग 10 वर्षों में दिए गए बिजली बिल की पुनर्गणना करने का निर्देश देकर परिवादी को राहत पहुंचाई है। प्राप्त जानकारी अनुसार उपभोक्ता व परिवादी शफीक शेख के द्वारा ग्राम भुसलिडीह में मुर्गी पालन केंद्र की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा स्ट04 श्रेणी के तहत मुर्गी पालन केंद्र हेतु कनेक्शन प्रदान किया गया था परंतु बिजली बिल की गणना स्ट02 श्रेणी के तहत करते हुए उन्हें बिजली बिल भेजा जाता रहा। परिवादी द्वारा इसकी शिकायत विद्युत कंपनी के अधिकारियों से करने पर उनके द्वारा भविष्य में इसे सुधार करने का आश्वासन दिया जाता रहा परंतु ना कभी परिवादी की शिकायत का संज्ञान लिया गया ना ही उन्हें बिजली बिल में कभी कोई रियायत दी गई। उल्टा अधिकारियों द्वारा परिवादी को विद्युत कनेक्शन काट देने की धमकी देते हुए लगभग पिछले 10 वर्षों में लाखों रुपए मनमाने दर पर बिजली बिल का भुगतान करवाया गया। विद्युत कंपनी के कार्यालय के चक्कर लगा-लगाकर थक जाने के बाद अंततः परिवादी द्वारा अधिवक्ता अशोक पाल के माध्यम से उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया।

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
आज ता. 24 से भव्य शुभारंभ रोजाना 4 खेलों में
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
पारिवारिक, एक्शन एवं गीत संगीत से भरपूर
सतीश जैन कृत
मोर छंइया भुंईया-2
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दीपक साहू, एल्सा घोष, पुष्पेन्द्र सिंह, नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित, धर्मेन्द्र चौबे आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show
SILVER SCREEN MULTIPLEX
24th May 2024
silver SCREEN

Furiosa A Mad Max Saga (Hindi) - 12:30, 03:30, 06:30 and 09:30 pm

Mor Chhainha Bhuinya 2 (C.G) - 12:00, 03:00, 06:00 and 09:00 pm

Bhaiyya Ji (Hindi) - 12:15, 03:15, 06:15 and 09:15 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

दिल्ली में फिर बम का खौफ, अब कॉलेजों को उड़ाने की धमकी; विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में बम का खौफ थम नहीं रहा है। कुछ दिनों पहले 200 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने वाले धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। पूरे एनसीआर में पैनिक की स्थिति बन गई थी। इसके बाद कई बड़े अस्पतालों और दिल्ली एयरपोर्ट को भी उड़ाने की धमकी दी गई। ऐसे में अब दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि दो कॉलेज से बम की धमकी के बारे में कॉल मिली है। मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गई हैं। वहीं एक कॉलेज में विदेश मंत्री एस. जयशंकर का प्रोग्राम होना था, जिसे बम की धमकी के बाद सुरक्षा कारणों से अब स्थगित कर दिया गया है।

दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि लेडी श्रीराम कॉलेज और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गई हैं। दिल्ली पुलिस भी कॉलेजों में पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम स्थगित

दरअसल, डीयू के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में भी बम की कॉल मिली है। हालांकि पुलिस जांच में यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। धमकी वाले कॉल के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर का कार्यक्रम यहां सुरक्षा कारणों से स्थगित कर दिया गया है। वहीं इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस ने बताया कि कॉलेजों में बम की धमकी के संबंध में कुछ कॉल प्राप्त हुईं। जांच में सभी कॉल फर्जी निकलीं। लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल, दिल्ली में बम का खौफ 30 अप्रैल को शुरू हुआ जब चाचा नेहरू अस्पताल को उड़ाने की धमकी मिली। वहीं 1 मई को 200 से अधिक स्कूलों को धमकी भरे मेल मिले। इसके बाद दिल्ली के करीब 20 बड़े अस्पतालों के पास धमकी भेजे गए। एयरपोर्ट, उत्तरी रेलवे के सीपीआरओ कार्यालय, तिहाड़ जेल और गृह मंत्रालय के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को भी धमकी भरे ईमेल मिले।

लक्ष्मीनारायण ताम्रकार का निधन

दुर्ग (दावा)। तमेरपारा निवासी लक्ष्मीनारायण ताम्रकार (मुन्ना) 70 वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे विक्रम व विवेक ताम्रकार के पिताजी और विक्की, धन्नु, शिब्बू, विशाल ताम्रकार के चाचाजी थे।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
1-3-5
136-0 589-2
राजधानी
4-6-8
679-2 278-7

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

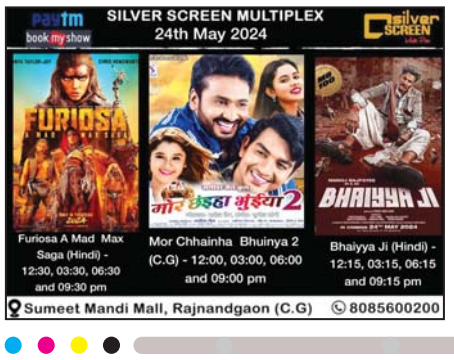

पाइप लाइन कनेक्ट नहीं होने से अंडर ब्रिज का काम रुका

० बारिश भर नहीं हो सकेगा अंडर ब्रिज का काम
० लोगों को झेलते रहनी पड़ेगी यातायात जाम की परेशानी

राजनांदगांव (दावा)। स्टेशन पारा/चिखली रोड में रेल्वे फाटक के पास बनने वाला अंडरब्रिज निर्माण एक बार फिर से रूक गया है। बता दे कि जब इसका भूमिपूजन किया गया था। उस समय कहा गया था कि एक वर्ष में अंडर ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा लेकिन डेढ़ साल के करीब होने जा रहा है। स्टेशन पारा अंडर ब्रिज का काम सिर्फ पाइप लाइन के कारण रूका पड़ा है। आगामी 15 जून से मानसून लग जाएगा। बारिश की स्थिति बनने से पिछले साल की तरह इस साल भी चार-छह महिने के लिए अंडर ब्रिज निर्माण का कार्य रूक जाएगा। अंडर ब्रिज निर्माण कार्य में प्रगति के नाम पर महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल की ओर स्टेशन पारा रेल्वे फाटक के समीप सिर्फ लोहे के गर्डर डल पाए है। थोड़ी सड़क बना पाई है। लेकिन सामने नगर निगम का पाईप लाइन आ जाने के कारण निर्माण कार्य को रोक देना पड़ा है।

आवागमन में हो रही परेशानी

बता दे कि स्टेशन पारा रेल्वे फाटक के समीप से ही अंडर ब्रिज बनाए जाने के कारण इस ओर से आवागमन को बंद कर दिया गया है। इससे लोगों को मजबूरी वश शंकरपूर, चिखली, स्टेशन पारा, शांतिनगर, ढाबा आदि के लोगों को रेल्वे ओवर ब्रिज के उपर से आना जाना पड़ता है। चूंकि उक्त ओवरब्रिज से ही खैरागढ़, बालाघाट, घुमका, बेमेतरा आदि के लिए भारी वाहनों का आवागमन बना रहता है। इससे चार-पहिया दो पहिया, वाहनों की कतारे रहती है। इस वजह से इस क्षेत्रवासियों को यातायात जाम सम्बंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेल्वे ओवर ब्रिज की उंचाई भी अधिक होने की वजह से ज्यादा लोडेड गाड़िया चढ़ाई नहीं चढ़ पाती सो ब्रिज के बीच में ही रूक जाती है या फिर खराब हो जाती है। इससे नगर निगम के महावीर चौक से लेकर चिखली तक वाहनों की कतारे लग जाती है। जिससे यातायात बूरी तरह प्रभावित जाम हो जाता है। इससे इस क्षेत्र के नागरिक बहुत ज्यादा परेशान है। ओवर ब्रिज में दिव्यांग लोगों को सर्वाधिक परेशानी उठानी पड़ती है। बेचारों को ओवर ब्रिज की उंचाई नहीं चढ पाने व हर पाल जाम की स्थिति बनी रहने के कारण शहर जाने के लिए गौरी नगर व मोतीपुर क्षेत्र से घुम कर आना पड़ता है। बहरहाल साल भर से ज्यादा समय होने के बाद स्टेशन पारा वाले उक्त अन्डर ब्रिज नहीं बनने से इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह आवागमन सम्बंधी परेशानियों का कारण बना हुआ है।

पाइप लाइन का नहीं हुआ निराकरण

बता दे कि तकरीबन एक डेढ़ वर्ष पहले उक्त अंडर ब्रिज का भूमि पूजन महापौर के हाथो हुआ तब लोगों को बड़ी आस थी कि मोतीपुर अंडर ब्रिज की तरह इसका भी जल्द निर्माण होने से स्टेशन पारा, चिखली, शंकरपुर आदि पटरी पार के लोगों को आवाजाही सम्बंधी सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। लेकिन स्टेशन पारा, रेल्वे फाटक के मुहाने से रेल्वे पटरी के नीचे से बिछी निगम की पाइप लाइन अंडर ब्रिज के निर्माण में रूकावट पैदा कर देगी यह किसी को मालूम नहीं था।

हालांकि भूमि पूजन के बाद लक्ष्मी बाई स्कूल की ओर से अंडर ब्रिज निर्माण कार्य शुरू हो गया लेकिन निर्माण कार्य के दौरान पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त हो जाने से निर्माण कार्य रूक गया।

बाद में बारिश आने के चलते छह महिने तक फिर निर्माण कार्य रूका रहा। अब जब महापौर श्रीमती हेमा देशमुख द्वारा पुराने पाइप लाइन के कनेक्शन को टांका घर के वाल्व से जोड़े जाने का पहल की गई जिससे पटरी पार वासियों के नलों में पानी का प्रेशर बढ़े और लोगों को पर्याप्त पानी मिले... लेकिन यह कार्य भी सफल नहीं हुआ। बताया जाता है कि उक्त पाईपलाइन को 300 एमएम वाले गौरी नगर के पाइप लाइन से जोड़ा गया लेकिन पानी का प्रेशर कम होने के कारण पटरी पार वासियों को यह कबूल नहीं रहा लिहाजा स्थिति जस की तस बनी हुई है।

बदबू मार रहा रूका हुआ पानी

बताते चले कि स्टेशन पारा रेल्वे फाटक के समीप शहर की ओर अंडर ब्रिज का गर्डर वाला काम पूरा किया जा चुका है। सड़क भी तैयार हो चुकी है लेकिन पाइप लाइन के फूटने व उसके गंदा पानी का कार्य जैसे जमावड़ा होने से वहां पर प्रदूषण की स्थिति बनी हुई है। इस जमा हुए पानी से उठने वाली दुर्गंध से आसपास के लोग काफी परेशान है लेकिन न तो अंडर ब्रिज के काम को आगे बढाने की दिशा में किसी का ध्यान जा रहा और न पाइप लाइन का कनेक्शन अन्यत्र किए जाने की ओर रूचि दिखाई जा रही है। इसके चलते अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य रूका पड़ा है। आगे बारिश पानी की स्थिति बनने से अंडर ब्रिज का कार्य भी चार-छह महिनों के लिए रूक जाएगा। जब तक स्टेशन पारा, चिखली आदि पटरी पार के लोगों को रेल्वे ओवर ब्रिज से दुर्गम आवागमन सम्बंधी परेशानी झेलती रहनी पड़ेगी। अब कुछ दिनों बाद स्कूल चालू हो जाएगे। पटरी पार क्षेत्र के बच्चों को इन परेशानियों से रोजाना दो-चार होना पड़ेगा। व्यस्ततम यातायात के चलते बच्चों को जान का खतरा बना रह सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों की ओर स्थानीय प्रशासन को अविलम्ब ध्यान देने की अतीव आवश्यकता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ की धूम

26 मई तक विभिन्न स्थानों में गायत्री महायज्ञ

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी नगरी सहित पूरे जिले भर में इन दिनों गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ की धूम बनी हुई है। गायत्री शक्ति पीठ के पुरोहितों के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों में सम्पन्न कराए जा रहे गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ में वैदिक मंत्रों के बीच विभिन्न संस्कार भी सम्पन्न किए जा रहे है। इससे सनातम समाज में धर्म मय माहौल बना हुआ है। शहर में बुद्ध पूर्णिमा में धर्ममय माहौल बना हुआ है। शहर में बुद्धपूर्णिमा के दिन डायमंड कालोनी सहित अन्य वार्डों तथा देवी चौरा (बस स्टैण्ड) ग्राम लालपुर में गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ-हवन का कार्यक्रम किया गया। बुद्ध पूर्णिमा के दिन से आयोजित गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम 26 मई तक जारी रहेगा। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक भाई ओमप्रकाश ने बताया कि इन चार दिनों में समस्त गायत्री परिजनों के 300 घरों में गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए गायत्री परिजनों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में यज्ञ-हवन किट/सामग्री के वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है।

विदेशों में भी गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ

गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी सूर्यकांत चितलांग्या व उप ट्रस्टी बृजकिशोर सुरजन ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के आह्वान पर 23 मई बुद्ध पूर्णिमा के दिन से 24 लाख घरों में गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ अभियान का आयोजन किया गया है। ट्रस्टी द्वय ने बताया कि गायत्री परिवार के प्रमुख डॉ. प्रणव पंडया के मार्गदर्शन में भारत देश के अलावा अमेरिका, कनाडा, साउथ एशिया सहित अनेक देशों में विश्व भर के करोड़ों साधक वैदिक मंत्रो के बीच आयुर्वेदिक औषधियुक्त हवन सामग्री के साथ यज्ञायोजन में आहूति अर्पण कर रहे है। इस दौरान गायत्री महामंत्र, महामृत्युंजय मंत्र एवं सूर्य (आदित्य) मंत्रों के उच्चारण से वातावरण दिव्य मय हो जा रहा है। वैदिक काल के ये मंत्रयज्ञ और यह उपाय धरती को स्वर्णोपम बनाने के लिए आज भी अचूक है। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए बुद्ध पूर्णिमा से आगामी 26 मई तक सभी सनातनीय लोगों के घरों में गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ विभिन्न संस्कारों के साथ सम्पन्न किया जा रहा है। जिसमें आहूति प्रदान करने व संस्कारिक कर्मकांड में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति हो रही है।

बोर ब्लास्टिंग पर खान सुरक्षा उप निदेशक की कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरगहनी (च) में क्रेशर मशीन संचालित करने वाले खदान मालिकों के द्वारा अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही है। बिना अनुमति की जा रही अवैध ब्लास्टिंग के चलते आसपास के लोगों को नुकसान हो रहा है। इसके विरूद्ध खान सुरक्षा उप निर्देशक की टीम ने कार्रवाई की और खदान मालिकों को चेतावनी दी गई है कि वे बाज नहीं आए तो आगे कड़ी कार्रवाई होगी।जिला प्रशासन की ओर से ब्लास्टिंग की कोई अनुमति नहीं दी गई है। इसके बाद भी क्रेशर संचालक बेरोकटोक बोर ब्लास्टिंग कर रहे हैं। ऐसे में बिरगहनी गांव की कई हेक्टेयर भूमि में गहरी खाइ बन गई हैं। अवैध विस्फोट और खनन का यह जिले में पहला मामला नहीं है, पूरे क्षेत्र में इसी तरह की गतिविधियां संचालित हो रही है।

तरौद और अकलतरा क्षेत्र के अन्य खदानों में भी अवैध ब्लास्टिंग हो रही है। चांपा जांजगीर मुख्य मार्ग के किनारे बोल्डर निकालने के चक्कर में क्रेशर संचालक द्वारा रोड के किनारे बड़ा गड्ढा कर दिया गया है। बरसात के दिनों में पानी भर जाने पर कभी भी हादसा हो सकता है। रोड से सटे अवैध खदान में दिनदहा? हो रही ब्लास्टिंग से आसपास के लोग डरे सहमे हैं। राहगीरों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पिछले कुछ दिनों में दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

मुख्य मार्ग के किनारे क्रेशर संचालकों के द्वारा ब्लास्टिंग कर बनाए गए अवैध गड्ढे बरसात में तालाब में तब्दील हो जाते हैं , जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है । स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रेशर संचालक द्वारा अपने लाभ के चक्कर में दूसरों की जान से खिलवा? कर रहे हैं। क्रेशर घनी आबादी वाले रहवासी क्षेत्र से लगभग 300 मीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में ब्लास्टिंग से पत्थर के टुक? उछलकर आसपास स्थित घरों में गिरते हैं। साथ ही जोरदार धमाकों से मकानों में दरार आ रही हैं।

नियमों की अनदेखी

ग्राम पंचायत बिरगहनी चांपा मुख्य मार्ग के करीब है। ऐसे में लोगों का आना जाना दिन भर लगा रहता है। यहां बिना सूचना के किसी भी समय ब्लास्टिंग शुरू कर दी जाती है, जिससे जान माल का खतरा बना रहता है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में हो रहे धमाकों से लोग डरे सहमे जीवन यापन करने मजबूर हैं। राहगीर भी इस रास्ते में आने जाने से कतराने लगे हैं, लेकिन अन्य कोई मार्ग न होने से उन्हें इसी रास्ते से आना जाना पड़ता है।

क्या कहते हैं लोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ब? पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। अवैध रूप से खनन करने वाले रसूखदारों पर शासन प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है। बिरगहनी में संचालित क्रेशर के लिए भूमि लीज पर लेकर अवैध ढंग से ब्लास्टिंग करने वाले ठेकेदार के रसूख के चलते प्रशासन सहित खनिज विभाग भी कार्रवाई करने से बच रहा है। ऐसे में विभागीय अधिकारी कार्रवाई का रटा-रटाया जवाब देते हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं होता। जांजगीर चांपा के जिन ग्रामीणों की निजी भूमि को क्रेशर मशीन के लिए लीज पर लिया गया हैं। वहां आसपास अपने मवेशी चराने जाने वाले ग्रामीण भी हादसों से बेखबर हैं। ग्राम पंचायत बिरगहनी के जनपद सदस्य इतवारी पटेल का कहना है कि गांव में खदान मालिकों के द्वारा हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है मगर कार्रवाई लंबे समय बाद हुई है। इसके बाद भी ब्लास्टिंग पर पूरी तरह रोक नहीं लगी है।

> बिरगहनी में बोर ब्लास्टिंग हो रहा था वहां के बहुत से मकानों में दरारें भी आ गई है। कई लोगों के मकान में पत्थर भी गिरा है। बिरगहनी के 6 खदानों और देवरहा के 2 खदानों के ब्लास्टिंग पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। फिर से ब्लास्टिंग होगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
>
> **श्रीनिवास चिर्रा**
> **खान सुरक्षा उप निदेशक**
> **रायगढ़ क्षेत्र**

'भाभी जी घर पर हैं' के अभिनेता फ़िरोज़ खान का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नयी दिल्ली। प्रसिद्ध अभिनेता और मिमिक्री आर्टिस्ट फ़रीज़ खान का गुरूवार को उत्तर प्रदेश के बदायूँ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इस दिग्गज कलाकार के असामयिक निधन से उनके प्रशंसकों में शोक की लहर छा गयी और वह सोशल मीडिया पर अपना शोक व्यक्त कर रहे है।

यहां मिली जानकारी के अनुसार फिरोज खान कुछ दिनों से बदायूँ शहर में थे और सोशल मीडिया के माध्यम के परफॉर्मेन्स दे रहे साथ ही अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने ने अपनी आखिरी प्रस्तुति 4 मई को मतदाता महोत्सव में बदायूँ क्लब में दी थी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। मेगास्टार अमिताभ बच्चन के हमशक्ल बन टीवी और लोगों के बीच सुर्खियां बटोरने वाले आर्टिस्ट फिरोज खान को तड़के दिल का दौरा पड़ा और उन्हें पास का जिला अस्पताल में ले जाया गया था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही वह इस दुनिया से चले गए। उन्होंने अमिताभ बच्चन का हमशक्ल बन उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। फिरोज खान धारावाहिक भाभी जी घर पर है, हप्पू की उल्टन पलटन, जीजाजी छत पर हैं, साहब बीवी और बॉस के अलावा शक्तिमान व अदनान सामी के सॉन्ग थोड़ी सी तू लिफ्ट करा दे में भी अभिनय किया। वर्ष 1975 में आयी फिल्म दीवार देखने के बाद वह उससे इतने ज्यादा प्रभावित हुये की वह बिग बी की तरह के बोलने और चलने लगे थे।

मातृ-पितृ विहीन अनाथ खुशबू को जिला अध्यक्ष ने सौंपी घर की चाबी

साहू समाज का सराहनीय कार्य

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम भोड़िया (सुरगी) निवासी 17 वर्षीय कु खुशबू साहू जिनके माता-पिता बचपन में ही गुजर गए थे। यह अनाथ बच्ची स्वयं अपना गुजर बसर कर रही है। इनके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं था। वह अकेली किसी खंडहर में बसर कर रही थी। जिला साहू संघ राजनांदगांव अध्यक्ष भागवत साहू एवं उनकी पूरी टीम के अथक प्रयास से उन्हें मकान बनाने हेतु शासन से साढ़े चार लाख रुपए अनुदान मिला। उसी रकम से आज खुशबू साहू पिता स्व. नीलू राम साहू को एक नया मकान मिला है, जिसका गृहप्रवेश के अवसर पर जिला अध्यक्ष भागवत साहू, महामंत्री नीलमणि साहू, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार साहू, महेश्वर साहू, संगठन सचिव माधव साहू, तहसील अध्यक्ष अंजू दिनेश साहू, सहसचिव गोपाल साहू, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ केशरी साहू, शैलेंद्री साहू, सुरगी मंडल अध्यक्ष जीवन लाल साहू, घुमका तहसील अध्यक्ष मंथीर साहू, सचिव हिरेंद्र साहू, सिंघोला मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू, अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक यशवंत साहू, प्रदेश सह संयोजक परदेशी राम साहू, तिजेंद्र साहू, वरिष्ठ साहित्यकार कुबेर सिंह साहू, ग्रामीण अध्यक्ष इंद्रकुमार साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने उनके घर पहुंचकर बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अछोली निवासी सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया के निधन के पश्चात नेत्रदान

डोंगरगढ़ (दावा)। अछोली निवासी सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया (54 वर्ष) के निधन के पश्चात उनके नेत्रदान से दो लोगों को नई रौशनी मिलेगी। सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया के आकस्मिक निधन से पूरा समाज स्तब्ध रह गया, परिवार में गहरा शोक छा गया और इस कठिन परिस्थिति में चौरडिया परिवार के सदस्यों पारस बाई (माता जी), पारस (धर्म पत्नी), धरमीचंद (भाई), अभय, धीरज (भतीजे) ने नेत्रदान हेतु सहमति दी। राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज के डॉ. केशव कुमार होता, डॉ. गीतांजलि शर्मा, डॉ प्रांजलि, डॉ. शुभांगी ने कॉर्निया कलेक्ट किए। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य फनेंद्र जैन, तरुण आढ़तिया, शैलेश गणात्रा पूरे समय उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया के भाई धरमीचंद ने कहा उनके भाई समाज में लगातार सक्रीय रहते थे व हर जरूरतमंद की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे और आज भाई की मृत्यु के बाद उनकी आँखों से दो लोगों को नेत्र ज्योति मिलेगी एवं उनके परिवार को भाई के नहीं रहने की कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी किन्तु भाई हमेशा समाज को व हमें प्रेरणा देते रहेंगे। शैलेश गणात्रा ने कहा सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया के सभी वर्गों से मधुर संबंध थे। अतः चौरड़िया परिवार के नेत्रदान के निर्णय से नेत्रदान प्रक्रीया को गति मिलेगी व समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता और बढ़ेगी और हमारी संस्था के अभियान को गति मिलेगी। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से फनेंद्र जैन, तरुण आढ़तिया, शैलेश गणात्रा, अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक ने सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया को श्रद्धांजलि दी व चौरड़िया परिवार को साधुवाद दिया।

छग में 12 से 15 जून के बीच आ सकता है मानसून

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। बुधवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदला और करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इसके बाद मौसम सामान्य हो गया। गुरुवार सुबह से ही आसमान में चटख धूप निकली रही। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में इस वर्ष 12 से 15 जून के मध्य मानसून आगमन की भविष्यवाणी की है। हालांकि इसके पूर्व प्री-मानसून की फुहारें भी पड़नी शुरू हो सकती हैं।

वहीं दूसरी ओर शनिवार से नौतपा भी प्रारंभ हो जाएगा। माना जाता है कि नौतपा के 9 दिनों तक धरती जितनी अधिक तपती है, उतरा ही बेहतर मानसून रहता है। मगर इस वर्ष नौतपा ज्यादा परेशान नहीं करेगा, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में इस वर्ष मानसून का आगमन जल्द हो सकता है। केरल में 29 मई तक मानसून आगमन की संभावना है। इस लिहाज से प्रदेश में 12 से 15 जून के मध्य बस्तर के रास्ते मानसून प्रवेश कर सकता है। यदि ऐसा रहा तो प्रदेश में 5 जून के बाद से ही प्री-मानसून की बौछारें शुरू हो सकती हैं। दूसरी ओर वर्तमान में एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम, उत्तरप्रदेश से लेकर उत्तर बिहार तक बनी हुई है। वहीं एक दूसरी द्रोणिका पूर्वी उत्तरप्रदेश से मध्य प्रदेश होते हुए मध्य महाराष्ट्र तक फैली हुई है।

अग्रवाल सभा का द्विवार्षिक 2024-2026 का चुनाव 22 एवं 30 जून को

० वरिष्ठ वकील उमाकांत भारद्वाज चुनाव अधिकारी होगें
० दो चरणों कार्यकारिणी एवं पदाधिकारी का होगा चुनाव

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय अग्रवाल समाज की संस्था श्री अग्रवाल सभा का द्विवार्षिक चुनाव 2024-2026 हेतु इस वर्ष होना है। संस्था द्वारा वरिष्ठ वकील उमाकांत भारद्वाज को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही समाज की ओर से एक पर्यवेक्षक/अपील समिति बनाई गई है जिसमें चार सदस्य सुशील पसारी, सुरेन्द्र गोयल, शरद अग्रवाल (शरद पोहा) एवं समीर पोददार होगें। चुनाव का कार्यक्रम चुनाव अधिकारी एवं पर्यवेक्षक/अपील समिति को प्रदत्त अधिकार के अंतर्गत सम्पन्न होगें।

अग्रवाल सभा के चुनाव अधिकारी उमाकांत भारद्वाज ने एक जानकारी देते हुये बताया कि अग्रवाल सभा के विधान के अनुसार कार्यकारिणी के लिये तीन ग्रुप संरक्षक सदस्य, आजीवन सदस्य एवं साधारण सदस्य में से पांच पांच सदस्य कुल 15 सदस्य का द्विवार्षिक चुनाव 22 जून शनिवार को एवं पदाधिकारियों (अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष) का चुनाव 30 जून रविवार को श्री अग्रसेन भवन राजनांदगांव में होगा।

चुनाव अधिकारी उमाकांत ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार है, अग्रवाल सभा राजनंदगांव में स्थायी सदस्य, संरक्षक सदस्य एवं आजीवन सदस्य जो नया बनना चाहते हो अथवा पुराने इन्ही वर्ग के सदस्य साधारण सदस्यों सहित अपनी सदस्यता को अपग्रेड (उन्नत) करना चाहते हो वे अंतर की राशि अग्रसेन भवन में कार्यालयीन समय में जमा कराकर रसीद प्राप्त कर सकते है। इसकी अंतिम तिथि कल 25 मई शनिवार है। दिनांक 26 मई को प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन अग्रसेन भवन के सूचना पटल में प्रातः 11.00 बजे किया जावेगा। प्रारंभिक मतदाता सूची के संबंध में आपत्तियां 30 मई दोपहर दो बजे तक लिखित में की जा सकती है। प्राप्त आपत्तियों का निराकरण उसी दिन संध्या 05.00 बजे किया जावेगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 01 जून को अग्रसेन भवन सूचना पटल पर किया जावेगा।

कार्यकारिणी हेतु तीन ग्रुप संरक्षक, आजीवन एवं साधारण सदस्यों के नामांकन फार्म प्राप्त करने हेतु 01 जून शनिवार से 07 जून शुक्रवार तक कार्यालीन समय पर अग्रसेन भवन से प्राप्त किया जा सकता है साथ ही फार्म जमा भी किया जा सकेगा। प्राप्त नामांकन फार्मो की जांच 08 जून शनिवार को संध्या 06.00 बजे किया जावेगा। तत्पश्चात उम्मीदवारों की प्रारंभिक सूची का प्रकाशन 09 जून रविवार को प्रातः 12.00 बजे अग्रसेन भवन की सूचना पटल पर की जावेगी। नाम वापसी 15 जून शनिवार को संध्या 05.00 बजे तक ले सकते है। प्रत्याशीयों की अंतिम सूची का प्रकाशन 16 जून रविवार को प्रातः 12.00 बजे अग्रेसन भवन के सूचना पटल पर होगा।

श्री भारद्वाज चुनाव अधिकारी ने कहा कि अग्रवाल सभा के कार्यकारिणी मतदान अगर आवश्यक हुआ तो दिनांक 22 जून शनिवार को दोपहर 02.00 बजे से संध्या 6:00 बजे तक होगा। तत्पश्चात रात्रि 07:30 बजे मतगणना एवं निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा होगी। अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु नामांकन फार्म 23 जून रविवार से 24 जून सोमवार दोपहर 04.00 बजे तक अग्रसेन भवन से प्राप्त किया जा सकेगा एवं फार्म जमा भी किया जा सकेगा। पदाधिकारी चुनाव हेतु प्राप्त नामांकन फार्म की जांच 24 जून सोमवार संध्या 06.00 बजे होगी। जांच पश्चात उसी दिन रात्रि 07 बजे उम्मीदवारों की सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा।

नाम वापसी का समय 26 जून बुधवार दोपहर 05.00 बजे तक होगी तत्पश्चात अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन होगा। आवश्यक होने पर मतदान का समय 30 जून रविवार दोपहर 04.00 बजे से 07.00 बजे के मध्य एवं तत्पश्चात मतगणना एवं मतगणना पश्चात निर्वाचित अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष की घोषणा की जावेगी। उपरोक्त कार्यक्रम अग्रसेन भवन राजनांदगांव में सम्पन्न होगें, जिस हेतु भवन के मैनेजर मोहन कुमार यादव को अधिकृत किया गया है। चुनाव कें संबंध में आवश्यक सूचना अग्रसेन भवन के सूचना पटल पर दी जावेगी जिसे ही पर्याप्त समझा जावेगा।

कार बेकाबू होकर 6-7 बार पलटी, बैंक मैनेजर और उनके नाती-नातिन की मौत

सारंगपुर (आरएनएस)। राजगढ़ जिले के सारंगपुर में एक कार बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसा गुरुवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। कार ब्यावरा से इंदौर की ओर जा रही थी। कार की स्पीड इतनी तेज थी कि हाइवे से उतरने के बाद 6 से 7 पलटी खाई। कार में सवार 4 साल का बच्चा उछलकर करीब 20 फीट दूर जा गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कार में ही सवार 2 साल की बच्ची ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं कार चला रहे शख्स की इंदौर में इलाज के दौरान मौत हो गई। ब्यावरा की ग्रामीण बैंक में पदस्थ बैंक मैनेजर दिनेश शर्मा (65) कार चला रहे थे। उनके साथ उनकी बड़ी बेटी दीपिका (35) पति शुभम शर्मा निवासी खरगोन, दीपिका की बेटी निषिका (2) सवार थे। साथ ही छोटी बेटी पल्लवी (32) पति सनी शर्मा निवासी धामनोद और पल्लवी की 4 साल का बेटा इशांत, 9 साल की बेटी इदिका कार में मौजूद थे। दोनों बेटियां गर्मी की छुट्टी में पिता दिनेश शर्मा से मिलने ब्यावरा आए थे।

अनमोल दावा

"जल्दबाजी में किया गया विश्वास और मेहनत के बिना लगाई गई आस इन दोनों का परिणाम धोखा ही होता है।

वन्यजीवों के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही चिंता का विषय

हवाई जहाजों के लिए पंछी सबसे खतरनाक माने जाते हैं। अगर कोई पंछी किसी विमान के डैनों से टकरा जाए या उसके प्रोपेलर के भीतर चला जाए तो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा रहता है। इसलिए हवाई अड्डों के आसपास पंछियों के आवागमन पर हर समय नजर रखी जाती है।

मुंबई के एक पक्षी विहार इलाके में कथित रूप से हवाई जहाज की चपेट में आकर चालीस राजहंस यानी फ्लेमिंगो की मौत हो गई। इसे लेकर पक्षी और पर्यावरण प्रेमियों में रोष स्वाभाविक है। मगर यह समझना थोड़ा मुश्किल है कि इतने राजहंस किसी विमान की चपेट में आए कैसे। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि राजहंसों का झुंड मुंबई से गुजरात लौट रहा था और विमान की चपेट में आ गया।

अगर इसमें सच्चाई है, तो यह न केवल उस पक्षी विहार में विचरने वाले राजहंसों के लिए खतरे की बात है, बल्कि उस तरफ से गुजरने वाले विमानों के लिए भी गंभीर खतरा है। आमतौर पर हवाई अड्डों के आसपास के इलाकों में पंछियों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हवाई पट्टियों के आसपास पंछियों को भगाने के लिए लगातार पटाखे चलाए जाते हैं।

हवाई जहाजों के लिए पंछी सबसे खतरनाक माने जाते हैं। अगर कोई पंछी किसी विमान के डैनों से टकरा जाए या उसके प्रोपेलर के भीतर चला जाए तो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा रहता है। इसलिए हवाई अड्डों के आसपास पंछियों के आवागमन पर हर समय नजर रखी जाती है।

यों हवाई पट्टी से उठने के बाद विमान कुछ सेकेंड के भीतर ही इतनी ऊंचाई ले लेते हैं, जहां तक पंछियों की उड़ान क्षमता नहीं होती। यही नियम विमान उतरते समय भी लागू होता है। राजहंसों की उड़ान कुछ ऊंची जरूर होती है, मगर इतनी ऊंची नहीं कि वे हवाई उड़ान की परिधि को छू लें। फिर हैरानी की बात है कि मुंबई हवाई यातायात प्रबंधन से जुड़े लोगों को इस बात की आशंका क्यों नहीं थी कि उस इलाके में उड़ते हुए राजहंसों का झुंड पहुंच सकता है।

गनीमत है, कोई हादसा नहीं हुआ। मगर इस मामले में दूसरी आशंकाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि पक्षी विहार के प्रबंधन में ही कोई खामी हो या पक्षी किसी बीमारी की चपेट में न आ गए हों। हालांकि अभी पक्षियों के शव परीक्षण के बाद ही हकीकत पता चल सकेगी। मगर इस तरह वन्यजीवों के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही चिंता का विषय है।

सुल्तानपुर में मेनका गांधी के सामने क्या हैं चुनौतियां?

गौरव गुलमोहर

उत्तर प्रदेश का सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र इन दिनों राजनीतिक समीकरणों को लेकर ख़ास तौर पर चर्चा में है.इसकी एक वजह यह है कि भाजपा ने पीलीभीत सांसद वरुण गांधी का टिकट तो काट दिया जबकि उनकी मां मेनका गांधी सुल्तानपुर लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार बीजेपी की उम्मीदवार हैं.

सुल्तानपुर लोकसभा से 2014 से 2019 के बीच मेनका गांधी के बेटे और बीजेपी नेता वरुण गांधी सांसद रहे हैं. 2019 में भाजपा ने मां और बेटे की सीटें आपस में बदल दीं और मेनका गांधी को सुल्तानपुर से चुनाव मैदान में उतारा यानी इस लिहाज़ से देखें तो पिछले दस सालों से इस सीट पर बीजेपी का कब्ज़ा हैवैसे दिलचस्प ये है कि सुल्तानपुर लोकसभा सीट का अपना इतिहास रहा है. इस सीट पर किसी भी दल का कोई प्रत्याशी दोबारा चुनाव नहीं जीत सका है.

सुल्तानपुर में वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह कहते हैं, ÷देखिए, मेनका गांधी और उनको चुनौती दे रहे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राम भुआल निषाद दोनों ही बड़े नेता हैं, लेकिन दोनों ही बाहरी हैं.शीतल सिंह बताते हैं कि लखनऊ के बाद पूर्वांचल में जितनी देरी से चुनाव हो रहे हैं उतना अधिक लोगों के बीच बहस हो रही है. यह बहस जितना लंबा खिंचेगी, भाजपा को उतना ही नुक़सान होगा.

शीतल पी सिंह मेनका गांधी की मुश्किलें गिनवाते हैं. वो कहते हैं, पिछली बार मेनका गांधी ने लगभग 14 हज़ार मतों से चुनाव जीता था. इस बार भी मुक़ाबला कड़ा है, बाज़ी पलटने की संभावना भी है. महंगाई और बेरोज़गारी को लेकर जो एंटी-इनकम्बेंसी पैदा हुई है उससे मतदान प्रतिशत पर असर पड़ रहा है.यह असर किस तबके से आ रहा है यह देखना होगा. अगर यह सवर्ण तबके से आ रहा है, जिसकी ज़्यादा संभावना भी है तब यह मेनका गांधी जी के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है.÷

माना जाता है कि सुल्तानपुर लोकसभा सीट पर दलित और ब्राह्मण अधिक हैं लेकिन यहां गैर-यादव पिछड़ी जातियां भी परिणाम प्रभावित करने में अहम भूमिका अदा करती हैं.

इस सीट पर गैर-यादव ओबीसी जातियों में निषाद और कुर्मी 2014 से ही भाजपा के साथ रही हैं. जबकि समाजवादी पार्टी ने यहां से निषाद प्रत्याशी के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री राम भुआल निषाद को मैदान में उतारा है.

वहीं दूसरी ओर बसपा ने कुर्मी समाज से उदराज वर्मा को मैदान में उतार कर भाजपा के समीकरण को बिगाड़ दिया है.मेनका गांधी के नामांकन से इस बात की पुष्टि होती है कि बिगड़ते समीकरण को भाजपा ने पहले ही पहचान लिया है. मेनका गांधी के नामांकन में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय निषाद और अपना दल (सोनेलाल पटेल) के अध्यक्ष आशीष पटेल शामिल रहे.शीतल पी सिंह कहते, निषाद समुदाय का बड़ा हिस्सा निषाद उम्मीदवार राम भुआल के साथ जाएगा और कुर्मी मतदाताओं का तीन टुकड़ों में बंटवारा होगा, बसपा से कुर्मी प्रत्याशी होने के कारण थोड़े कुर्मी मतदाता उधर जाएंगे, सपा की पीडीए रणनीति के कारण थोड़े सपा में जाएंगे जबकि अधिक संख्या में भाजपा की तरफ जाने की संभावना है, लेकिन कुर्मी मतों में बंटवारे का सीधा असर भाजपा पर पड़ेगा.हालांकि भाजपा के सुल्तानपुर जिलाध्यक्ष डॉक्टर आर. ए. वर्मा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की चुनौती के सवाल पर कहते हैं, देखिए, कोई भी प्रत्याशी हो चुनौती देता ही है. हमारी प्रत्याशी मेनका गांधी पांच वर्ष तक लगातार सक्रिय रही हैं और हमारा संगठन ग्रास रुट लेवल बेहद मज़बूत है. हमारी स्थिति यहां बहुत मजबूत है.जहां तक रही बात कुर्मी और निषाद मतदाताओं के भाजपा से दूर जाने की तो हमें नुकसान होगा लेकिन बहुत ज़्यादा नहीं है. जो नॉन भाजपाई मतदाताओं का वर्ग है वही जातिगत आधार पर अपना पाला बदल सकता है.समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव कहते हैं, देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. इसे समझते हुए लोग इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को वोट कर रहे हैं. यादव और मुस्लिम मतदाता हमारे साथ थे ही अब निषाद भी हमारे साथ हैं.दूसरा हमारी पार्टी ने कुर्मी समाज को इतना टिकट दिया है कि यहां कुर्मी मतदाता पचास फ़ीसदी अपनी जाति के बसपा प्रत्याशी के साथ जाएंगे बाक़ी 50 फ़ीसदी में हमारे साथ लोग होंगे, इसलिए कह रहा हूं कि जातीय समीकरण हमारे पक्ष में है.÷

वैसे समाजवादी पार्टी ने दूसरी जातियों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है. पूर्व सपा विधायक और परशुराम की मूर्ति स्थापित कर ब्राह्मण नेता के रूप में उभरे संतोष पांडेय के साथ पिछले लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा प्रत्याशी चन्द्र भद्र सिंह 'सोनू' इसी मंगलवार को सपा में शामिल हो गए हैं.

पिछले चुनाव में कि चन्द्र भद्र सिंह मेनका गांधी को कड़ी टक्कर देते हुए लगभग पंद्रह हजार मतों से चुनाव हार गए थे. ऐसे में अब यह संकेत मिल रहे हैं कि इसौली विधानसभा समेत अन्य विधानसभाओं में भी ठाकुर और ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की ओर हो सकता है.

जातिगत आकलन के आधार पर दावा किया जाता है कि सुल्तानपुर लोकसभा में दलित एवं ब्राह्मण मतदाता सर्वाधिक हैं.

दलित मतदाता लगभग तीन लाख और ब्राह्मण मतदाता लगभग 2 लाख 75 हजार हैं. मुस्लिम मतदाता लगभग 2 लाख 50 हजार, यादव मतदाता 2 लाख, ठाकुर मतदाता 1 लाख 75 हजार, वैश्य मतदाता लगभग 1 लाख 50 हजार, कुर्मी मतदाता लगभग 1 लाख 75 हजार और निषाद मतदाता लगभग दो लाख के क़रीब हैं.

जातीय समीकरण पर मेनका गांधी का अपना क़द भारी पड़ सकता है.मेनका संजय गांधी की पहचान राष्ट्रीय कद की वरिष्ठ नेता के रूप में है. वे गांधी परिवार की सदस्य हैं और आठ बार सांसद रह चुकी हैं. इतना ही नहीं भाजपा की फायर ब्रांड नेताओं में भी उनकी गिनती होती है.सुल्तानपुर लोकसभा में मेनका गांधी की एक सक्रिय, सुलभ और सशक्त महिला नेता की छवि है.यही कारण है कि विपक्षी दल मेनका गांधी की बाहरी नेता के रूप में छवि गढ़ने में नाकाम रहे हैं.सुल्तानपुर के निवासी प्रेमनाथ तिवारी कहते हैं, मेनका गांधी में स्पष्टवादिता है, वे जो भी काम करा सकती हैं तुरंत करवाती हैं, यदि उन्हें लगता है कि कोइ काम उनके द्वारा संभव नहीं है तो वे मना कर देती हैं.मेनका गांधी ने जिले का शहरीकरण और सौंदर्यीकरण कराया, ट्रैफिक जाम से निजात दिलाई, वेंडिंग ज़ोन का निर्माण कराया, जवाहर नवोदय विद्यालय और कृषि उद्यान केंद्र बनवाया. सुल्तानपुर में वरिष्ठ पत्रकार राज खन्ना कहते हैं, मेनका गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा है, सक्रिय नेता हैं, देश की राजनीति में महत्वपूर्ण एवं केंद्रीय भूमिका निभाने वाले गांधी परिवार की सदस्य हैं. उनके व्यक्तित्व के साथ यह एक अतिरिक्त विशेषता है. इन चीज़ों का लाभ भी उन्हें मिल रहा है.

दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राम भुआल निषाद गोरखपुर की कौड़ीराम विधानसभा से दो बार के विधायक रहे हैं. साल 2007 में राम भुआल निषाद बसपा सरकार में राज्यमंत्री रहे हैं.

लोकसभा चुनाव -2014 में गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बसपा के टिकट पर चुनाव लड़कर राम भुआल निषाद तीसरे स्थान पर रहे.इस सीट पर सपा ने राम भुआल को निषाद मतदाताओं को साधने के लिए प्रत्याशी बनाया था. पिछले लोकसभा चुनाव में राम भुआल निषाद ने सपा के टिकट पर गोरखपुर से चुनाव लड़ा और दूसरे स्थान पर रहे. समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी निषाद कहते हैं, राम भुआल निषाद योगी आदित्यनाथ के सामने गोरखपुर से मजबूती से चुनाव लड़े थे. कौन कितनी बार का सांसद है यह मायने नहीं रखता है. पांच साल में मेनका गांधी सिर्फ समाज के उच्च वर्ग का ध्यान देती रहीं लेकिन समाज के दबे कुचले लोगों का ध्यान नहीं दिया.

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम :155 अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजा दशरथ ने की मंत्रणा

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

''तो क्या हुआ स्वामी! अब भैया आ ही गए हैं तो उन्हें मना क्यों करें? और मैं तो यहीं रुक रही हूं न, उनके साथ नहीं जा रही हूं!'' रानी कैकेई ने राजा दशरथ को मनाते हुए कहा।

''ठीक है प्रिये! अब मैं तुम्हारी बात भला कैसे टाल सकता हूं?'' वृद्ध राजा दशरथ ने कैकेई की बात पर सहमति व्यक्ति की।

भरत और शत्रुघ्न ने अपने मामा के साथ अयोध्या से दूर अपने ननिहाल के लिए प्रस्थान किया।

अयोध्या में सारी स्थिति अनुकूल है और पिछले घटनाक्रमों से अयोध्या राज्य की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई है। राजा दशरथ लंबे समय से अयोध्या का शासन संभाल रहे हैं। पुत्रों के विवाह तथा उनके द्वारा राजकाज में पिता का हाथ बंटाना शुरू करने के बाद राजा दशरथ अब राज्य के सुखद भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हो गए हैं।

श्री राम ने जिस तरह वन में सुबाहु और ताड़का का वध किया, उससे अयोध्या की सैन्य प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई। उनके द्वारा शिव धनुष को उठा लेने के बाद वे आर्यावर्त के सर्वाधिक संभावनापूर्ण वीर बनकर उभरे हैं। राजा दशरथ ने कल सैन्य समिति की बैठक में गुप्तचर प्रमुख के सुझाव पर अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के निर्देश दिए।

''आपका सुझाव सर्वथा उचित है। एक ओर अयोध्या का यश और उसकी प्रतिष्ठा बढ़ रही है तो दूसरी ओर अयोध्या राज्य के शत्रु भी तैयार हो रहे हैं और विशेष रूप से दक्षिण के राक्षसों द्वारा अयोध्या का अनिष्ट सोचना स्वभाविक ही है। ऐसे में विशेष रूप से अयोध्या नगर की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है।''

सेनापति ने कहा, ''राक्षसों के साथ युद्ध में राजकुमार राम ने कुछ अद्भुत दिव्य अस्त्र शस्त्रों का प्रयोग किया जो सामान्य रूप से अयोध्या की सेना को उपलब्ध नहीं हैं। मेरा सुझाव है कि अगर संभावित संघर्ष या प्रतिक्रिया राक्षसों की ओर से हो, तो राजकुमार राम को भी सुरक्षा के उपाय को सुदृढ़ करने वाली पूर्व मंत्रणा में शामिल किया जाना चाहिए महाराज!''

''अवश्य सेनापति! आपका सुझाव उत्तम है। कुमार राम को आगामी बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया जाए। यह बैठक आज संध्या ही आहूत की जाए।'' महाराज दशरथ ने तत्काल निर्देश दिया।

''जो आज्ञा महाराज!''सेनापति ने कहा।

सभा विसर्जित हो गई। सभी के प्रस्थान के बाद भी राजा देर तक अकेले बैठे रहे और सोचते रहे कि पिछले कई दशकों से उनकी यही दिनचर्या बनी हुई है। वे अपनी आयु के वानप्रस्थ वाले चरण में हैं,अतः अब उन्हें अपने उत्तरदायित्वों से निवृत्त हो जाना चाहिए और भगवत भक्ति में अपना ध्यान अधिक से अधिक लगाना चाहिए। आज पहली बार राजा को यह अनुभव हुआ कि अब उनका उत्तराधिकारी घोषित करने का समय आ गया है।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

सामयिक चर्चा

चार जून सच कहेगा

बानी बोले- ''गजाधर!
आज हम खबर पढ़ते हैं -
केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह कहते हैं
''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में
छठे और अंतिम सातवें चरण में
कांग्रेस नेता राहुल बाबा और
तृणमूल सुप्रीमों ममता दीदी
शीत निद्रा में चली जाएंगी।''
गजाधर! यह बात गृहमंत्री शाह ने
इसलिए की है
क्योंकि उनके अनुसार
मोदी जी के नेतृत्व नारे राजग ने
बीस मई को हुए पांचवें चरण के
मतदान के बाद तीन सौ दस,
लोकसभा सीटें, हासिल कर ली है।
गजाधर! अब हम आगे बढ़ते हैं
सोनीवत की चुनावी सभा में
कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते हैं-
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की
पिछले वर्षो में बनाई
छवि का गुब्बारा फूट चुका है।
राहुल गांधी का मन इन दिनों
किसानों के हित के लिए झुका है
उन्होंने कहा कि जितना मोदी सरकार ने
अरब पतियों का कर्जा माफ किया है
उतना ही कर्ज कांग्रेस सरकार बनने पर
किसानों का माफ करेगी।
गजाधर! दो नेताओं की
दो भविष्यवाणियों पर
आपकी प्रत्युत्पन्न मति क्या कहेगी?
गजाधर मुस्कराए, बोले- ''बानी!
अभी तो नेता
अपनी पार्टी की भक्कम जीत
और उनकी दुर्गति पूर्ण हार की
बात पर, एकदम दृढ़ होगा।
पर चार जून जो कहेगा बानी!
वही मंजूरे मतदाता होगा।'

- गिरीश बख्शी

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे
1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए, प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

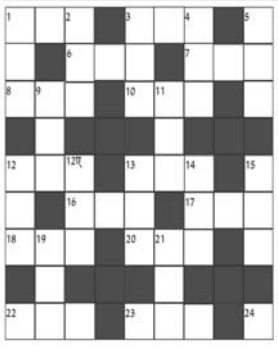

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 065 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■	
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म	
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल	
ड़	■	ल	ज्ञा	■	म	स्का	■	य	
■	बा	■	■	वि	हा	र	■	■	
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ	
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स	
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त	
■	श	ब्ल	■	न	मि	त	■	न	

सू- दोकू क्र.066

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.065 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	1	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

राशिफल

मेष
आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ सकती है। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। किसी दोस्तों से मिलने का योग बन रहा है। परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपको मिल सकती है। आप जीवनसाथी के साथ यादगार पल बितायेंगे।

वृषभ
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आज सेहत बेहतर बना रहेगा। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स से जुड़े हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जो उनको लाभ पहुंचाएगी।

मिथुन
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए आप कोई नई योजना बना सकते हैं। कोई अच्छी खबर आपको मिल सकती है। अचानक धन लाभ होने की संभावना है। इस राशि के जो लोग नौकरी में है, आज उन्हें सफलता मिल सकती है। किसी कार्य में अपनों की मदद आपको मिल सकती है।

कर्क
आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी का प्लान बना सकते हैं। पैसों के लेन-देन करने से आपको बचना चाहिए। अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा।

सिंह
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको अपने सोच और व्यवहार को संतुलित रखना चाहिए। किसी पर ज्यादा भरोसा करने से आपको बचना चाहिए। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपको कोई बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। आपको अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए। इससे आपको फायदा भी हो सकता है।

कन्या
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी। आपको कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है।

तुला
आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस के काम में आप बिजी हो सकते हैं। किसी मुद्दे को लेकर आप अपनी बात दूसरों के सामने रख सकते हैं, जिसका प्रभाव कुछ लोगों पर साफ दिखेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष नाजुक बना रहेगा। परिवार के कुछ मामलों को आपको अनदेखा करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आप शाम तक किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा।

धनु
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज से आज का दिन बेहतर है। आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस में काम की गति बढ़ेगी, इससे आपका काम समय से पूरा हो सकता है। किसी बात को लेकर भाई-बहन के साथ विचार करेंगे, किसी नये काम की योजना बना सकते है।

कुंभ
आज आपका दिन शानदार रहेगा। कामकाज से जुड़ा कोई बड़ा मौका आपके सामने आयेगा। जिससे लाभ पाने में आप इसमें सफल भी होंगे। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे।

मीन
आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। किसी खास काम में आपको फायदा मिल सकता है। भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बात से प्रभावित हो सकते हैं। बिजनेस के मामलों में दिन अच्छा हो सकता है। सामाजिक कामों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

जनपद सीईओ की शिकायत जिला पंचायत सीईओ से

नियम विरुद्ध कार्य कर वित्तीय अनियमित्ता कर रही है डोंगरगढ़ जनपद सीईओ- रविंद्र अग्रवाल

डोगरगढ़ (दादा)। जनपद पंचायत डोंगरगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर नियम विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ जनपद सदस्य व भाजपा नेता रविंद्र अग्रवाल ने जिला पंचायत सीईसी से शिकायत की है। जिला पंचायत सीईडी की गई शिकायत में कहा गया है कि, डोंगरगढ़ जनपद पंचायत की मुख्खार कार्यपालन अधिकारी पंचायती राज के नियम के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। जिसकी जांच कर उचित कार्यवाही करने एवं स्थानांतरण की मांग की गई है।

15 वे वित की राशि का नियम विरुद्ध उपयोग

जिला पंचायत सीईसी से की गई शिकायत में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 में 15 वें वित्त मद से जनपद के संभा हाल का जिर्णोद्धार किया गया था। जिसमें लगभग 10 से 12 लाख की राशि खर्च कि गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उक्त निर्माण कार्य में नियम विरुद्ध ग्राम पंचायत बिच्छीटोला को एजेंसी बनाकर बार्य कराया गया। नियमानुसार उक्त निर्माण कार्य में जनपद पंचायत को स्वयं एजेंसी बनाया जाना चाहिए था। परंतु भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हुए ग्राम पंचायत को उक्त निर्माण कार्य का एजेंसी बनाया गया। नियमानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगढ़ को एजेंसी बनाने का अधिकार नहीं है।

वर्ष 2023-24 के 154 वित्त की राशि से मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा वाहन परिचालन का बिल लगाकर भुगतान करवाया गया। जो कि 15वें वित्त की राशि में बाहन परिचालन संबंधी कार्य प्रतिबंधित है। 2022-23 में जनपद पंचायत के 15वे वित्त की राशि से लाखों रुपए का मास्क, सेनेटाइजर, आक्सीमीटर खरीदी किया गया जबकि 2022-23 में कोरिड महामारी पुरी तरह खत्म हो चुका था फिर भी ऐसे खरीदी में खर्च कर भ्रष्टाचार को बढावा दिया गया। 15 वे वित्त की राशि वितरण में भेदभाव-शिकायत में कहा ममा है कि 15वें वित्त की राशि से 25 जनपद सदस्यों में से मात्र 15-16 जनपद सदस्यों के प्रस्ताव को शामिल करते हुए राशि का वितरण किया गया। जबकि लगभग 8 से 9 जनपद सदस्य को अपने क्षेत्र में उक्त राशि से प्रस्ताव नहीं माना गया जो कि नियम के विपरीत है।

0 जिला पंचायत सीईओ के आदेश की अव्हेलना

जिला पंचायत सीईओ के आदेश क्र. 56 दिनांक 22.04.2024 में ग्राम पंचायत भंडारपुर में शिवकुमार यागन (सचिव कल्याणपुर) आदेश जारी किया गया था परंतु जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आपके आदेश का उल्लंघन करते हुए दिनांक 02.05.2024 को शोभाराम सहारे (सचिव नारायणगढ़) को भंडारपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया जो कि जिला पंचायत के आदेश का उल्लंघन है। जनपद सीईओ के स्थानांतरण की मांग जिला पंचायत सीईओ को, की गई शिकायत में मांग की गई है कि जनपद सीईओ पर लगाए गए आरोप की संज्ञान लेते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा की गई वित्तीय अनियमिताओं की जांच कर इन्हें डोंगरगढ़ से पृथक किया।

वधु बालिक नहीं होने के कारण बाल विवाह रोका गया

अंबागढ़ चौकी (दावा)। कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में दिनांक 23 मई को जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी में होने जा रहे बाल विवाह को वधु नाबालिक होने के कारण महिला एवं बाल विकास विभाग/जिला बाल संरक्षण इकाई/राजस्व/ पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा वर एवं वधु पक्ष के घर में जाकर आवश्यक समझाईश देकर रुकवाया गया वधु बालिग अर्थात 18 वर्ष होने में 9 माह शेष था।

दोनों पक्ष की ओर से शादी की पूरी तैयारी कर ली गई थी। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 2 (क) के अनुसार बाल विवाह करने वाले को 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख रुपए जुर्माना का प्रावधान है। बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है। इसलिए जिला प्रशासन लड़के के उम्र 21 वर्ष एवं लड़की की उम्र 18 वर्ष से अधिक होने पर ही विवाह तय करने की अपील करता है।

डोंगरगढ़ ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई

डोंगरगढ़ (दावा)। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल एवं पूर्व अध्यक्ष नवाज खान की उपस्थिति में डोंगरगढ़ ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस ने राजीव जी को याद किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, जिला कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के निर्देश पर डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू के मार्गदर्शन में डोंगरगढ़ ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस ने आधुनिक भारत के निर्माता 18 वर्ष में चुनाव का अधिकार दिलाने वाले भारत देश में मोबाइल कंप्यूटर क्रांति लाने वाले पूर्व युवा प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम ढारा में मनाया गया।

उनके तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर पुष्प अर्पित की गई राजीव गांधी के द्वारा बताए हुए मार्ग पर चलने की शपथ लिए। राजीव गांधी अमर रहे के नारे लगे। इस अवसर पर डोगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष नवाज खान, डोंगरगढ़ ग्रामीण / शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश सिन्हा, विजय राज चौहान, राजू राजपूत, पंचराम चंदेल, लाला राम वर्मा, हरक पटेल, गौतम वर्मा, दिपेंद्र टांडेकर, नंदू वर्मा, पारस टांडेकर, विश्राम वर्मा, कमलेश वर्मा, दयाल साहू मदन खुटेल, ईश्वर नेताम, नेपाल सिंह नेताम, चिंताराम वर्मा, पारस राम कदम, जयचंद राव ठाकरे, कार्तिक वर्मा, घनश्याम साहू, धुरूदास मानिकपुरी, रुपेश वर्मा, रोशन वर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता गण एवं आम जनता उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

26 को जरहामहका में पुरवाही की मासिक गोष्ठी

छुरिया (दावा)। पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा, छुरिया के बैनर तले और युवा कवि नंद कुमार साहू नादान के संयोजन में ग्राम जरहामहका में 26 मई रविवार को 11 बजे से मासिक काव्य गोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया है। विचार गोष्ठी के अंतर्गत किसानी के पहली तिहार अक्ती पर चर्चा की जावेगी और द्वितीय सत्र में उपस्थित सभी रचनाकार काव्य पाठ करेंगे। समिति के संयोजक ओमप्रकाश साहू अंकुर, अध्यक्ष ग्वाला प्रसाद यादव नटखट एवं सचिव हेम लाल सहारे ने साहित्यकारों से उपस्थित होकर गोष्ठी को सफल बनाने की अपील की है। उक्त जानकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष शिव प्रसाद लहरे ने दी है।

समर कैम्प को लेकर बच्चों में उत्साह, थोड़ी सी मस्ती थोड़ा सा खेल

0 सुदूर वनांचल क्षेत्र में चल रहे समर कैम्प का जिले के टीम ने किया अवलोकन

0 पीएम श्री शालाओं में चल रहे समर कैम्प का अधिकारियों ने किया अवलोकन

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरुचि सिंह एवं जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई, हायर सेकेंडरी, पीएम श्री एवं सेजस विद्यालयों में 20 मई से 31 मई तक समर कैंप का आयोजन किया गया है। इस शिविर का समय प्रातः 7 बजे से 9.30 तक निर्धारित है। जिले के समस्त संकुल प्राचार्य, बीईओ, बीआरसी एवं सीएसी की देख-रेख में विभिन्न मनोरंजन पर आधारित ग्रीष्म कालीन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी परिपेक्ष्य में आज तृतीय दिवस पीएम श्री शाला कंडरापारा विकासखंड डोंगरगढ़ एवं मोरकुटुम्ब विकासखंड छुरिया का संचालित समर कैंप का अवलोकन एडीपीओ पीआर झाड़े एवं एमआर अंसारी ने किया। अवलोकन के दौरान बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे-पत्तों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, कैरम बोर्ड खेल, पेंटिंग एवं विभिन्न खेल गतिविधियां में शामिल होकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया और बताया कि इस तरह के कैंप से एक-दूसरे के कौशल से बच्चे देखकर तथा करके सीखेंगे, क्योंकि अलग-अलग विद्यार्थियों में अलग-अलग प्रकार के कौशल होते हैं, जिससे बच्चों में बहुमुखी प्रतिभा का विकास होगा और उनमें छुपी प्रतिभा में निखार आएगा। पीआर झाड़े, एमआर अंसारी के साथ बीआरसी इनायत अली, सीएसी राजेंद्र ठाकुर उपस्थित रहे।

योग वेदांत सेवा समिति ने किया आंवले शरबत का वितरण

राजनांदगांव(दावा)। गर्मी के प्रकोप से बचने व शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से पूज्य संत आशाराम बापू की संस्था श्री योग वेदांत सेवा समिति राजनांदगांव द्वारा पित्तशामक व ऊर्जावर्धक ठंडे आंवला शरबत का वितरण किया गया। कड़कती गर्मी से राहत पाने राहगीरों ने ठंडे आंवला शरबत का लुफ्त उठाया। आयुर्वेद में आंवले की बड़ी महिमा बतायी है।

संस्था के अध्यक्ष रोहित चंद्रकार व कोषाध्यक्ष टीके चंद्रकार ने बताया कि पूज्य बापूजी की प्रेरणा से ग्रीष्म ऋतु में राहगीरों को राहत पहुंचाने हेतु हमारी संस्था अनेक स्थानों में शरबत वितरण कर रही है इसी कड़ी में आज पुराने हॉस्पिटल के सामने आंवला शरबत लोगो को पिलाया जा रहा है। आयुर्वेद में आंवले की बड़ी भारी महिमा है। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। आँवला शरबत के नियमित सेवन से नेत्रज्योति व वीर्यवर्धक, त्रिदोषशामक, दाहनाशक के साथ चेहरे की कान्ति बढ़ती है। आँवला शरबत दीर्घायु, स्फूर्ति, ताजगी तथा यौवन प्रदाता है। आँवला शरबत पाचनतंत्र को मजबूती तथा हृदय व मस्तिष्क को शक्ति देने वाला है। गर्मी की वजह से होने वाले आँखों व पेशाब की जलन, अम्लपित्त, श्वेतप्रदर, रक्तप्रदर, बवासीर आदि में लाभदायी है। इसके नियमित सेवन से हड्डियाँ, दाँत व बालों की जड़ें मजबूत एवं बालों को काला बनाता है। जब किसी मरीज को बुखार होता है, तो आँवले के रस का सेवन करने से वह मरीज कमजोर नहीं पड़ता है।

विकासखंड डोंगरगढ़ में तीन दिवसीय बालवाड़ी संचालन प्रशिक्षण संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 के तहत् पूर्व प्राथमिक शिक्षा की दिशा में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए तीन दिवसीय बाल वाटिका प्रशिक्षण का आयोजन दिनाक 20 मई से 22 मई तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगढ़ के सभागृह में किया गया। जिसमें 122 बालवाड़ी केन्द्रों के शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण का शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती विरेन्द्र कौर मागट एवं विकास कड स्त्रोत समन्वयक इनायत अली द्वारा माँ सरस्वती एरा छत्तीसगढ़ महतारी की तैल चित्र की पूजा अर्चना के साथ हुआ। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण को गंभीरता पूर्वक लेवें एवं शाला में क्रियानिती करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभाएं। विकास खंड स्त्रोत समन्वयक श्री अली सर द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण नौनिहालों के सर्वांगीण विकास के लिए अतिमहत्वपूर्ण है तथा इसे लगनशीलता के साथ लेवें।

इस प्रशिक्षण में 05 से 06 आयु वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक सर्व व्यापक न्याय संगत जानंद दायक समावेशी एवं संदर्भित सीखने के अवसर की उपलब्धता को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही बालवाड़ी के बच्चों में सामाजिक भावनात्मक विकास को विकसित करना और पूर्व प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश को सुनिश्चित करता है। बालवाड़ी की आवश्यकता बच्चों को विद्यालय के लिए तैयार करना, बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करना, बच्चों में सिर्फ सुनने और बोलने के कौशल का विकास करना, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बुद्धि एवं व्यक्तित्व का विकास करना, पूर्व प्राथमिक विद्यालय से प्राथमिक विद्यालय में सहजता से पारगमन के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया कि बाल वाटिका के उद्देश्य खेल आधारित माध्यम से बच्चों में बौद्धिक एवं भाषाई कौशल का विकास करना, बच्चों को सिखाने की प्रक्रिया में माता पिता और समुदाय के अन्य लोगों को शामिल करना, विभिन्न पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को कक्षा एक के लिए तैयार करना, बच्चों में अनौपचारिक शिक्षा से औपचारिक शिक्षा में सहज पारगमन को सुनिश्चित करना, बच्चों में सर्वांगीण विकास के लिए मनोरंजक एवं प्रेरक वातावरण का सृजन करना ताकि उन्हें खेल-खेल में सीखने एवं आयु के अनुकूल व उपयुक्त शिक्षाप्रद अनुभव प्रदान किया जा सके। मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती भूमिका सोनवानी, सुश्री मिश्रेकर, राजेन्द्र साहू द्वारा बहुत ही रोचक एवं विभिन्न सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रशिक्षण दिया गया।

उक्त प्रशिक्षण में मोहन साहू प्रधान पाठक, सकुल समन्वयक अमृत दास साहू, राजेन्द्र ठाकुर, राजेश कुमार राजेकर का विशेष सहयोग रहा।

परिक्षेत्रीय साहू समाज जोशीलमती में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

खुज्जी विधायक भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

खुज्जी (दावा)। गैदाटोला समीपस्थ ग्राम जोशीलमती में परिक्षेत्रीय साहू समाज का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खुज्जी विधायक भोलाराम साहू थे, कार्यक्रम में अध्यक्षता भुनेश्वर प्रसाद साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ छुरिया, विशिष्ट अतिथि गीता घासी साहू अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ खुज्जी विधायक भोलाराम साहू सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना आरती उतारकर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों को शाल, श्री फल भेंटकर सम्मानित किया गया। परिक्षेत्रीय साहू समाज जोशीलामती के अध्यक्ष त्रिलोचन साहू को बनाए जाने पर समस्त सामाजिक बंधुओ ने उन्हें बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से गिरधारी लाल साहू, दीनू साहू, नीलेन्द्र साहू,घासीराम साहू, हिरेंद्र साहू, भूनेश्वरी साहू, दूधनाथ साहू, त्रिलोचन साहू, तामेश्वर साहू, रामकुमार साहू, मनोहर साहू, सुकृत साहू, महेश्वरी साहू, लक्ष्मण साहू कार्तिक साहू सहित सामाजिक बंधु क्षेत्रवासी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

लू से बचाव पर स्वास्थ्य जागरूकता का पोस्टर प्रदर्शन

हरदी (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम पिनकापार के हेल्थ केयर (व्यावसायिक पाठ्यक्रम) से सम्बंधित छात्राओं द्वारा अपने प्रशिक्षक तेजनारायण साहू के मार्गदर्शन में ग्राम खामतराई के दुर्गा चांवरा मंच पर भीषण गर्मी में लू से बचाव विषय पर 23 मई को स्वास्थ्य जागरुकता पोस्टर का प्रदर्शन किया। उक्त अवसर पर ग्राम पंचायत खामतराई के सरपंच मीना कश्यप के अलावा अन्य बहुत से ग्रामीण जन एकत्रित थे, कार्यक्रम रोचक व प्रेरणादायक रहा।

खाकी वर्दी ने पेश की मानवता का फर्ज

थाना प्रभारी कपिल देव चंद्र ने बड़ा हादसा होने से बचाया

मोहला (दावा)। पुलिस की दरिया दिल एक बार फिर सामने आया है हम बात कर रहे हैं बीते देर शाम अचानक तेज आंधी तूफान के साथ जिले के कई हिस्सों में बारिश हुआ है।

इसी बारिश के दौरान मोहला दुर्गा चौक में स्थापित एक विद्युत खंभे पर शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गया और फटाखों की तरह विद्युत पोल जलता रहा। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी थाना प्रभारी कपिल देव चंद्रा को दिया गया। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी खुद दौड़ते भागते घटनास्थल पहुंचे और अग्निशामक की सहायता से आग को बुझाया। समय रहते आग पर काबू पा लिया नही तो एक बहुत बड़ा हादसा घटित होने से बच गया। दुर्गा चौक में दुकानों की लंबी कतार है अगर किसी एक भी दुकान में आग लगता तो अन्य दुकानों तक आग फैलने में समय नहीं लगता। हालांकि थाना प्रभारी की सजकता से बड़ा हादसा होने से टल गया। इस कार्य के लिए आसपास मौजूद लोगों ने थाना प्रभारी का शुक्रिया अदा किया गया।

विष्णु लोधी ने कु. हेमलता वर्मा की तलाश में एसपी को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने कहा आठ दिनों बाद भी लापता बच्ची का कोई सुराग न मिलने एवं मोहारा चौंकी द्वारा कोई ठोस कदम व त्वरित कार्यवाही नहीं होने से एसपी राजनांदगांव को ज्ञापन सौंपा गया है। एसपी साहब ने आक्रोशित लोधी समाज को आश्वासन देते हुए कहा तत्काल टीम गठित कर जल्द से जल्द कुमारी हेमलता की तलाश की जाएगी एवं तत्काल पुलिस चौकी मोहारा के प्रभारी से बात कर केश के बारे में जानकारी लेने की बात भी कही।

आक्रोशित लोधी समाज को एसपी ने दिया आश्वासन कहा तत्काल टीम गठित कर जल्द से जल्द करेंगे तलाश

कि सान डोमन सिंह वर्मा ग्राम करेला पुलिस चौकी मोहारा की 21 वर्षीय पुत्री कु. हेमलता वर्मा 16 मई को शादी में गई थी इसके बाद से ही वह लापता है। आगे विष्णु लोधी ने कहा बच्ची का सुराग पुलिस प्रशासन जल्द से जल्द पता नहीं लगा पाती है तो उग्र आंदोलन लोधी समाज द्वारा किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी। एसपी को ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में समाज के प्रमुख जन उपस्थित रहे।

सेवा पुस्तिका व जीपीएफ पासबुक संधारण हेतु बीईओ मोहला में विशेष शिविर

0 विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहला में शिविर के द्वारा शिक्षकों के सेवा रिकॉर्ड को दुरुस्त करने की पहल

मोहला (दावा)। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए सेवा पुस्तिका एवं पासबुक संधारण के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय मोहला में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शिक्षकों व कर्मचारियों के सेवा पुस्तिका में नॉमिनी का नाम जोड़ने बदलने, परिवार सूची में नाम जोड़ने या हटाने, उच्च शैक्षिक योग्यता को सेवा पुस्तिका में जुड़वाने, सेवा पुस्तिका की द्वितीय प्रति का संधारण एवं जीपीए पासबुक संधारण का कार्य विशेष शिविर में किया जा रहा है। इस शिविर में सेवा रिकार्ड दुरुस्त किये जा रहे है।

ग्रीष्म अवकाश में इस प्रकार के शिविर से कार्यालयों के कई पेंडिंग कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे तथा शिक्षकों को अपनी सेवा पुस्तिका में इंद्राज करने के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहला कि इस पहल की सभी ने सराहना की है तथा शिक्षकों ने इस प्रकार के शिविर को कर्मचारी हित में लाभकर बताया है।

शिवनाथ नदी के पीछे अवैध प्लास्टिक पर संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

दुर्ग-रायपुर। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में शिवनाथ नदी के पीछे करीब 40 से 45 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी।इसके लिए यहां भू-माफिया द्वारा मुरुम डालकर रास्ता बना लिया गया था, जिसे बुधवार शाम आधी तूफान और बरसते पानी के समय जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन के अमला ने जेसीबी की मदद से उखाड़ फेंका। इस मामले की शिकायत रेरा में की गई थी। शिकायत के आधार पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के बाद निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में एक्शन लेते हुए कड़ी कार्रवाई की गई।अवैध प्लाटिंग करने वालों ने यहां मुरुम बिछाकर सड़क बना ली थी।

पहला कॉलम...

दोस्त ही निकला सांसद का कातिल, 5 करोड़ रुपये की मिली थी सुपारी

कोलकाता। बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की 'हत्या' की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके एक दोस्त ने ही उनकी (सांसद) हत्या के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की सुपारी दी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने बुधवार को कहा था कि 13 मई से कोलकाता में लापता अनार की हत्या हुई है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच राज्य सीआईडी रही है। अधिकारी ने बताया, यह एक सुनियोजित हत्या थी। सांसद के एक पुराने मित्र ने उन्हें मारने के लिए भारी रकम (लगभग पांच करोड़ रुपये) का भुगतान किया था। उन्होंने कहा, अवामी लीग के सांसद का दोस्त अमेरिकी नागरिक है और उसके पास कोलकाता में एक फ्लैट है। सीआईडी के आईजी अखिलेश चतुर्वेदी ने बुधवार को कहा था कि पुलिस के पास विश्वसनीय इनपुट थे कि अनार की संभवतः हत्या कर दी गई है, लेकिन अभी तक उनका शव बरामद नहीं हुआ है।

सेंसेक्स 1200 निफ्टी 370 अंकों के उछाल के साथ रिकॉर्ड हाई पर बंद

नई दिल्ली। गुरुवार 23 मई 2024 का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक रहा है. बीएसई सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी नए ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा तो बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप भी पहली बार 420 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया. बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जोरदारी खरीदने के चलते बाजार का जोश हाई नजर आया है. मिडकैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स भी नए लाइफटाइम हाई पर जा पहुंचा है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स करीब 1200 अंकों के उछाल के साथ 75,418 अंकों पर क्लोज हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 370 अंकों के उछाल के साथ 22,968 अंकों पर क्लोज हुआ है. शेयर बाजार में इस ऐतिहासिक तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट वैल्यू 420.09 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 415.94 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 4.15 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है. शेयर बाजार में तेजी की बड़ी वजह बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी रही है. सरकारी और निजी दोनों ही बैंकों के शेयर में भारी खरीदारी देखने को मिली है.

मेक्सिको में राजनीतिक रैली के दौरान टूटा मंच, नौ लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के नुएवो लियोन राज्य के सैन पेड्रो गार्जा गार्सिया शहर में नागरिक आंदोलन पार्टी की रैली के दौरान मंच गिरने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मेनेज ने सोशल मीडिया पर कहा कि सैन पेड्रो गार्जा गार्सिया शहर में आयोजित कार्यक्रम में हवा के झोंके के कारण मंच गिर गया। अल्वारेज ने कहा कि इलाज के बाद अब वो ठीक हैं। हालांकि, उनकी टीम के कई सदस्यों को चोटें आई है। बुधवार शाम को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में नुएवो लियोन के गवर्नर सैमुअल गार्सिया ने दुर्घटना का हवाला देते हुए निवासियों को क्षेत्र में तेज आंधी के बीच घर के अंदर रहने की चेतावनी दी।

चीन के हार्बिन में अपार्टमेंट बिल्डिंग में हुआ विस्फोट, 1 की मौत

बीजिंग। चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी हार्बिन में गुरुवार की सुबह एक पांच मंजिला अपार्टमेंट इमारत में विस्फोट हो गया। इस हादसे में कम से कस 1 व्यक्ति की मौत हुई है और तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। इस घटना को लेकर चीनी राज्य मीडिया द्वारा सूचना दी गई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने सिन्हुआ समाचार को बताया कि विस्फोट हार्बिन शहर में जियांगशुन और गोंगबिन सड़कों के बीच चौराहे पर स्थित एक इमारत में सुबह 7 बजे के बाद हुआ।

शिन्हुआ ने कहा कि विस्फोट इमारत की चौथी मंजिल पर एक अपार्टमेंट में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों ने एक जोरदार विस्फोट सुना और उन्हें संदेह हुआ कि यह गैस विस्फोट था। विस्फोट से अपार्टमेंट की बालकनी और आस-पास के अपार्टमेंट की कई अन्य बालकनियाँ हिल गईं। लोग बिल्डिंग से बाहर भागते हुए नजर आए। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बचाव के लिए एम्बुलेंस, सार्वजनिक सुरक्षा और अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। चीन में गैस विस्फोट एक नियमित घटना है।

टी20 विश्व कप : 16 लाख रुपए में बिक रहा भारत-पाकिस्तान मैच का टिकट?

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में मैच खेला जाएगा. टी20 विश्व कप 2024 के इस मुकाबले का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. इस मुकाबले के टिकट मिलना काफी मुश्किल होंगे. दावा किया जा रहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच का एक टिकट करीब 16 लाख रुपए में बिक रहा है. आईपीएल के पूर्व आयुक्त ललित मोदी ने इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है. इसमें उन्होंने आईसीसी को लताड़ लगाई है.

ललित मोदी का आईसीसी पर फूटा गुस्सा

ललित मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है. इसमें उन्होंने कुछ स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं. उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह जानकर हैरानी हुई कि आईसीसी भारत और पाकिस्तान मैच का एक टिकट 20 हजार डॉलर में बेच रहा है. विश्व कप का आयोजन यूएस में इसलिए हो रहा है जिससे क्रिकेट और आगे बढ़े और फैंस देखने के लिए आएं. न की इसलिए कि इसके जरिए पैसे कमाए जाएं.

अगर आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट को चेक करें तो यहां कुछ और ही दिख रहा है. आईसीसी की वेबसाइट पर भारत और पाकिस्तान के मैच के टिकट की शुरुआत 300 डॉलर है. यानी कि भारत-पाक मैच का सबसे सस्ता टिकट करीब 25 हजार रुपए का है.

भारत और पाकिस्तान के मैच का सबसे महंगा टिकट 10 हजार डॉलर का दिख रहा है. यह डायमंड क्लब का टिकट होगा. अगर भारत के हिसाब से देखें तो इस टिकट का दाम 8 लाख रुपए से ज्यादा होगा. लेकिन आईसीसी की वेबसाइट पर 20 हजार डॉलर का टिकट नहीं दिखा.

इंसानों में 'बर्ड फ्लू' संक्रमण का खतरा, भारत में हुआ था संक्रमण!

नई दिल्ली। इंसानों में 'बर्ड फ्लू' का पहला मामला सामने आया है. ऑस्ट्रेलिया ने मनुष्य में 'बर्ड फ्लू' संक्रमण की घोषणा की है. ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि एक बच्चा कुछ सप्ताह पहले भारत में रहते हुए इस संक्रमण की चपेट में आया था. स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को मीडिया को यह जानकारी दी. बताया गया कि बच्चा अभी स्वस्थ है. नाइन न्यूज डॉट कॉम ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि विक्टोरिया में एक बच्चे में संक्रमण की पुष्टि हुई, जो ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू का पहला मामला है. यह बच्चा भारत कुछ सप्ताह पहले भारत गया था, भारत में रहते हुए फ्लू का शिकार हुआ था और इस साल मार्च के महीने में बीमार था. विभाग ने एक्स पर लिखा, हाल ही में जिस बच्चे में संक्रमण की पुष्टि हुई वह मार्च 2024 में विदेश से ऑस्ट्रेलिया लौटा था. बच्चे को गंभीर संक्रमण हुआ था, लेकिन अब वह ठीक है और पूरी तरह से उबर चुका है। नाइन न्यूज के मुताबिक, बर्ड फ्लू की पहचान होने के कुछ घंटों बाद इस मामले की घोषणा की गयी.

रिकी पोंटिंग ने ठुकराया बीसीसीआई का ऑफर?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के पद से हट जाएंगे. ऐसे में बीसीसीआई नए हेड कोच की तलाश में लगा हुआ है. हेड कोच की दौड़ में चल रहे रिकी पोंटिंग ने अपने कदम पीछे कर लिए हैं. उन्होंने इस पद को लेने से इनकार कर दिया है. आपको बता दें कि रिकी पोंटिंग फिलहाल आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हैं.

रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम का हेड कोच बनने में दिलचस्पी तो थी, लेकिन उनके इनकार करने की अपनी वजह हैं. सबसे बड़ी वजह है उनके व्यस्त कार्यक्रम और परिवार के साथ बिताने का समय. भारतीय टीम के हेड कोच को साल में लगभग 10-11 महीने काम करना होता है. साथ ही, इस पद को स्वीकार करने का मतलब है कि वो आईपीएल में किसी भी टीम को कोच नहीं कर पाएंगे. पोंटिंग ने आईसीसी को बताया- ÷मैंने इस बारे में कई रिपोर्ट्स देखी हैं. आमतौर पर ये चीजें सोशल मीडिया पर सामने आ जाती हैं, इससे पहले कि आपको पता चले. लेकिन आईपीएल के दौरान कुछ लोग मुझसे मिले थे, यह जानने के लिए कि क्या मैं इसमें दिलचस्पी रखता हूं.

उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे किसी बड़ी राष्ट्रीय टीम का हेड कोच बनना अच्छा लगेगा, लेकिन मेरी जिंदगी में दूसरी चीजें भी हैं और मैं घर पर भी वक्त बिताना चाहता हूं. साथ ही, यह सब जानते हैं कि भारतीय टीम के कोच के रूप में आप किसी आईपीएल टीम से नहीं जुड़ सकते. पोंटिंग को पसंद है ढ्ढक्करु में कोचिंग करना और वो अपने परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं. उनके बच्चे भी भारत में रहना पसंद करते हैं.

सैमसन ने की शेन वॉर्न की बराबरी, बेंगलुरु के नाम प्लेऑफ में सबसे ज्यादा हार, पराग ने बनाया रिकॉर्ड

अहमदाबाद । आईपीएल 2024 के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हराकर क्वालिफायर-दो में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ ही राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने एक खास रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। वह आईपीएल में राजस्थान के लिए सबसे ज्यादा 31 मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने महान शेन वॉर्न की बराबरी की। वॉर्न की कप्तानी में भी आरआर ने 31 मैच ही जीते थे। इसके बाद लिस्ट में तीसरे नंबर पर 18 जीत के साथ राहुल द्रविड़ और चौथे नंबर पर 15 जीत के साथ स्टीव स्मिथ हैं।

वहीं, यह प्लेऑफ में आरसीबी को मिली 10वीं हार है। टीम के चैंपियन बनने का सपना एकबार फिर टूट गया। बेंगलुरु ने 17वें सीजन तक प्लेऑफ में कुल 16 मैच खेले हैं और टीम 10 मैच हार चुकी है। आरसीबी की टीम प्लेऑफ में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई है। इस मामले में दूसरे नंबर पर नौ-नौ हार के साथ चेन्नई और दिल्ली हैं। चेन्नई ने प्लेऑफ में 26 और दिल्ली ने 11 मैच खेले हैं। प्लेऑफ से अर्थ है कि क्वालिफायर-1, एलिमिनेटर, क्वालिफायर-2 और फाइनल में हार। राजस्थान की जीत में रियान पराग ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 26 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 36 रन की पारी खेली। पराग इस पूरे सीजन में शानदार फॉर्म में रहे हैं और खूब रन बनाए हैं। वह अब तक 17वें सीजन में 567 रन बना चुके हैं। राजस्थान के लिए एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पराग तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इस लिस्ट में शीर्ष पर जोस बटलर हैं। उन्होंने आईपीएल 2022 में 863 रन बनाए थे। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने आईपीएल 2023 में 625 रन बनाए थे और वह दूसरे नंबर पर हैं।

इसके साथ ही पराग एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ियों की लिस्ट में भी तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उनके पास एक तय मैच बचा है और फाइनल में पहुंचने पर दो। ऐसे में वह एक आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी के यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। यशस्वी ने आईपीएल 2023 में बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी 625 रन बनाए थे। रियान इस उपलब्धि से 58 रन दूर हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पूर्व क्रिकेटर शॉन मार्श हैं।

गर्मी का कहर, छह दिनों में 138 बंदरों की मौत

नई दिल्ली। दुनियाभर में लोग गर्मी का प्रकोप झेल रहे हैं. भारत के साथ-साथ विदेशों में भी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना हुआ है. मेक्सिको में हालात और खराब हैं, यहां गर्मी के कारण जानवरों की मौत हो रही है. पिछले 6 दिनों में ही यहां अधिक गर्मी के कारण 138 बंदरों की मौत हो चुकी है. मेक्सिको में इन दिनों दिन का तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक है. गर्मी में इन बंदरों को बचाने के लिए स्थानीय लोग भी एकजुट हो रहे हैं. मरने वाले बंदरों की प्रजाति हाउलर है, इन बंदरों को उनकी दहाड़ने वाली आवाजों के लिए जाना जाता है. ये बंदर मेक्सिको में खाड़ी तट के राज्य टबैस्को में मृत मिले.

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, 5 बंदरों को एक पशु हॉस्पिटल ले जाया गया, उन्हें फिर से जिंदा करने की कोशिश की गई, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए. डॉ. सर्जियो ने कहा कि ये बंदर डिहाइड्रेशन और बुखार के कारण गंभीर स्थिति में पहुंचे. उन्हें लू भी लग गई थी. मेक्सिको में मार्च के बाद से अब तक गर्मी के कारण 26 लोगों की मौत भी हो चुकी है. पशु चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी से सैकड़ों प्राइमेट मारे गए हैं.

स्पेसएक्स ने नए अमेरिकी जासूस समूह के लिए लॉन्च किए उपग्रह

नई दिल्ली। स्पेसएक्स ने बुधवार को अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से एक नए अमेरिकी खुफिया नेटवर्क के हिस्से के रूप में परिचालन जासूसी उपग्रहों का पहला सेट सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस साल की शुरुआत में, रिपोर्टों से पता चला कि स्पेसएक्स, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन के सहयोग से, एक व्यापक कक्षीय प्रणाली बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय टोही कार्यालय (एनआरओ) के लिए सैकड़ों उपग्रहों का निर्माण कर रहा है जो पृथ्वी पर लगभग कहीं भी जमीनी लक्ष्यों को तुरंत पहचानने में सक्षम है। ह्रञ्जह्र ने कहा कि यह लॉन्च एनआरओ के प्रवर्धित सिस्टम का पहला लॉन्च था जिसमें उत्तरदायी संग्रह और तेजी से डेटा वितरण शामिल था।

इसके अतिरिक्त, एनआरओ ने अपने प्रसार वास्तुकला का समर्थन करने के लिए 2024 में लगभग छह लॉन्च की योजना बनाई है, अतिरिक्त लॉन्च 2028 तक जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, एजेंसी ने इस मिशन के दौरान तैनात उपग्रहों की विशिष्ट संख्या का खुलासा नहीं किया। इस उपग्रह नेटवर्क का विकास अमेरिकी सरकार की अपने कुछ मिशनों के लिए एलन मस्क के स्पेसएक्स पर बढ़ती निर्भरता को उजागर करता है।

पन्नू मामले में अमेरिकी प्रत्यर्पण के खिलाफ की याचिका खारिज

लंदन। खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास में षड्यंत्र रचने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की अमेरिकी प्रत्यर्पण के विरोध में दाखिल याचिका चेक गणराज्य की संवैधानिक कोर्ट ने खारिज कर दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने हाई कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा है। अब निखिल के प्रत्यर्पण का अंतिम निर्णय चेक गणराज्य के न्याय मंत्री पावेल ब्लाजेक लेंगे।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने 52 वर्षीय निखिल गुप्ता पर अभियोग लगाया है कि उसने पिछले वर्ष नवंबर में एक भारत सरकार के अधिकारी से मिलकर अमेरिकी धरती पर खालिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। निखिल को 30 जून, 2023 को चेक

गणराज्य की राजधानी प्राग में गिरफ्तार कर लिया गया था। अमेरिका सरकार उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। चेक संवैधानिक कोर्ट इसके विरुद्ध दाखिल निखिल की याचिका पर सुनवाई कर रहा है।

कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि निखिल के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर उसे किसी मूल अधिकार और स्वतंत्रा के अधिकार के उल्लंघन की बात नहीं दिखती। उसने मामले के राजनीतिक होने के तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने इसके साथ ही स्थानीय कोर्ट और हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें उसके प्रत्यपर्ण को स्वीकार किया गया था।

प्रथम पेज का शेष

0 सेक्स स्कैंडल में फंसे प्रज्वल को देवगौड़ा की चेतावनी....

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने कर्नाटक सरकार से पत्र मिलने के बाद प्रज्वल का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

0 कोयला घोटाला: रानू साहू और सौम्या चौरसिया ...

ईडी ने इस घोटाले को पांच सौ करोड़ रुपए का बताया था। इस मामले में सूर्यकांत तिवारी, सौम्या चौरसिया, रानू साहू, समीर बिश्नोई समेत कई लोग करीब सत्रह महीनों से भी ज़्यादा समय से जेल में बंद हैं।

0 रीपा केंद्रों में बरती गई अनियमितता ...

संयुक्त सचिव तारण प्रकाश सिन्हा, संचालक प्रियंका महोबिया, मिशन संचालक चंदन संजय त्रिपाठी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की संचालक नम्रता जैन और संयुक्त सचिव अशोक चौबे शामिल हैं।

जांच के यह प्रमुख बिंदु निर्धारित

0 आवंटित भूमि किसके स्वामित्व में थी, यदि निजी भूमि थी तो आवंटन का आधार क्या था। क्या निजी भूमि पर पूर्व में अधोसंरचना निर्मित थी।

0 क्या रीपा के लिए विजन डाक्यूमेंट बनाया गया है, किसने बनाया है। डाक्यूमेंट बनाने वाले का चयन किस आधार पर किया गया।

0 रीपा के लिए तकनीकी सहायता एजेंसी निर्धारित किया गया है, यदि हां तो एजेंसी चयन का क्या आधार था।

0 अधोसंरचना निर्माण अंतर्गत क्या निर्माण किया गया, निर्माण एजेंसी कौन था, चयन किस आधार पर किया गया। अधोसंरचना निर्माण का भुगतान हुआ है कि नहीं।

0 रीपा मशीनों की खरीदी का आधार क्या था, क्रय नियम का पालन किया गया है कि नहीं, किसके आदेश से एजेंसी तय की गई।

0 रीपा में कितने स्वसहायता समूह जुड़े हुए हैं। क्या इनके द्वारा केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। रीपा में क्या अन्य मदों से व्यय किया गया है।

रायपुर संभाग के महासमुंद विकाखंड अंतर्गत बिरकोनी, आरंग विकासखंड अंतर्गत लखौली, भाटापारा विकासखंड अंतर्गत गुडेलिया, पलारी विकासखंड अंतर्गत गिर्रा, कुरूद विकासंखड अंतर्गत हचलपुर, धमतरी विकासखंड अंतर्गत भटगांव, मगरलोड विकासखंड अंतर्गत खिसोरा, मगरलोड विकासखंड अंतर्गत भेंड्री, गरियाबंद विकासखंड अंतर्गत चिखली, फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत भेंड्री, धरसींवा विकासखंड अंतर्गत टेमरी, नगरी विकासखंड अंतर्गत सांकरा, नगरी विकासखंड अंतर्गत गट्टासिल्ली, कुरूद विकासखंड अंतर्गत गातापारा, धमतरी विकासखंड अंतर्गत अछोटा, पथौरा विकासखंड अंतर्गत गोडबहाल, बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत लटूवा में संचालित रीपा केंद्र की जांच होगी।

0 कलकत्ता हाईकोर्ट ने ओबीसी प्रमाण पत्र किये रद्द ...

देश का पिछड़ा, दलित और आदिवासी वर्ग इसे बर्दाश्त करेगा। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा।

यह है कलकत्ता हाईकोर्ट का फैसला

कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायाधीश राजशेखर मंथा की डबल बेंच ने कहा कि, वर्ष 2010 के बाद जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं, वे कानून के मुताबिक नहीं बनाए गए हैं। इसलिए उन्हें रद्द कर किया जाना चाहिए। सरकार के इस निर्देश का उन लोगों पर कोई असर नहीं होगा जो पहले ही इस प्रमाणपत्र के जरिए नौकरी पा चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं। अन्य लोग अब इस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे। डबल बेंच ने आगे कहा कि इसके बाद राज्य विधानसभा को यह तय करना है कि ओबीसी कौन होगा। पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ओबीसी की सूची निर्धारित करेगा। इस सूची को राज्य विधानसभा को भेजना होगा। जिनके नाम विधानसभा द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे उन्हें भविष्य में ओबीसी माना जाएगा।

0 ईरान के राष्ट्रपति रईसी हुए सुपुर्द-ए-खाक...

रईसी का हेलिकॉप्टर रविवार (19 मई) को अजरबैजान की सीमा के करीब ईरान के वरजेघन शहर के पास क्रैश हो गया था। यह पहाड़ी इलाका है। रेस्क्यू एजेंसियों ने भारी बारिश, कोहरे और तेज सर्दी के बीच रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया। सोमवार सुबह अजरबैजान की पहा?ियों में हेलिकॉप्टर का मलबा मिला।

ईरानी स्टेट मीडिया इरना के मुताबिक रईसी 19 मई की सुबह अजरबैजान के राष्टपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने गए थे। इसे ईरान और अजरबैजान ने मिलकर बनाया है। लौटते समय उनके हेलिकॉप्टर में विदेश मंत्री होसैन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मलिक रहमती, तबरीज के इमाम मोहम्मद अली अलेहाशेम समेत कुल 9 लोग सवार थे। इनमें हेलिकॉप्टर के पायलट और को-पायलट के साथ क्रू चीफ, हेड ऑफ सिक्योरिटी और बॉडीगार्ड भी मौजूद थे। हादसे में सभी की जान चली गई।

उपराष्ट्रपति मुखबेर ने संभाला राष्ट्रपति पद

राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद डिप्टी प्रेसीडेंट मोहम्मद मुखबेर (68) को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है। मुखबेर 2021 में इब्राहिम रईसी के पद संभालने के बाद उपराष्टपति चुने गए थे। मुखबेर को संविधान के आर्टिकल 131 के अनुसार दो और जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मुखबेर न्यायपालिका के प्रमुख और संसद के स्पीकर भी होंगे। इन दो पोस्ट पर रहते हुए वे संविधान के मुताबिक अगले 50 दिन में राष्ट्रपति का चुनाव कराने की तैयारी कराएंगे।

पीवी सिंधु ने मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में, अश्मिता चालिहा को भी मिली जीत

कुआलालंपुर 23 मई (वार्ता) दो बार की ओलंपिक चैंपियन पीवी सिंधु गुरुवार को मलेशिया मास्टर्स 2024 बैडमिंटन के महिला एकल स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में कोरिया की यू जिन सिम को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई हैं।

इस बीडब्ल्युएफ सुपर 500 प्रतियोगिता की पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने 59 मिनट तक चले मुकाबले में यू जिन सिम को 21-13, 12-21, 21-14 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के 15वें नंबर पर काबि? भारतीय महिला खिलाड़ी और यू जिन के बीच पहले गेम की शुरुआत में क?ी टक्कर देखने को मिली और स्कोर 10-10 की बराबरी पर चल रहा था। जल्द ही सिंधु ने पलटवार करते हुए गेम में अपना दबदबा बनाया और लगातार 10 अंक हासिल करके अपने विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाते हुए पहला गेम 21-13 से अपने नाम किया।

दूसरे गेम की शुरुआत में भी दोनों शटलरों के बीच एक बार फिर टक्कर देखने को मिली और एक समय स्कोर 8-8 की बराबरी पर चल रहा था, लेकिन यहां से कोरियाई शटलर ने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेलते हुए मुकाबले में अपनी पकड़ बनानी शुरू की। स्कोर को 18-12 से अपने हक में करने के बाद यू जिन सिम ने 21-12 से दूसरा गेम जीत लिया और अब मुकाबला तीसरे और निर्णायक गेम में चला गया। तीसरे गेम की शुरुआत भारतीय शटलर के लिए अच्छी नहीं रही और कोरियाई शटलर ने 4-1 की ब?त हासिल कर ली। यहां से सिंधु ने गेम में वापसी करते हुए लगातार 5 अंक बटोरे और एक समय स्कोर 8-8 की बराबरी पर आ गया। सिंधु ने मैच में बेहतरीन खेल का मुजाहिरा किया और स्कोर को 18-14 करने के बाद गेम को 21-14 से अपने नाम कर लिया। इस तरह से पीवी सिंधु ने इस मुकाबले को जीतकर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधु ने इस मुकाबले के दौरान 4 गेम प्वाइंट हासिल करते हुए कुल 54 अंक अपने नाम किए। एक अन्य मुकाबले में दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अश्मिता चालिहा ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की 10वीं रैंकिंग वाली झांग बेइवेन पर 43 मिनट में 21-19, 16-21, 21-12 से जीत हासिल की। अगले दौर में चालिहा का मुकाबला चीन की झांग यिमन से होगा।

हवा में उड़ भी सकती है ये मछली ?

दुनियाभर में मछलियों की हजारों प्रजातियां मौजूद है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी मछली भी है, जो पानी से निकलकर उड़ भी सकती है. जानिए इस मछली का क्या नाम है और ये कहां पर पाई जाती है.

सभी तालाब, नदी और समुद्र में मछलियां आपने देखी होंगी. दुनियाभर में हजारों प्रजाति की मछलियां मौजूद है. लेकिन क्या आपने कभी उड़ने वाली मछली के बारे में सुना है. आज हम आपको एक ऐसे मछली के बारे में बताने वाले हैं, जो आसमान में उड़ भी सकती है. जी हां आपने सही पढ़ा है. मछली उड़ सकती है. आज हम आपको बताएंगे कि इस उड़ने वाली मछली का नाम क्या है और ये कहां पर पाई जाती है.

मछलियां पानी में ही रहती हैं. पानी के बाहर ज्यादा देर तक रहने पर उनकी मौत भी हो सकती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक मछली ऐसी भी है, जो पानी में रहती है. लेकिन समय आने पर वो उड़ भी सकती है. बता दें कि इस मछली को फ्लाइंग फिश कहा जाता है. जानकारी के मुताबिक फ्लाइंग फिश की सात प्रजातियां धरती पर मौजूद हैं. इनमें पक्षियों की तरह ही लंबे-लंबे पंख होते हैं. हालांकि ज्यादातर ये मछलियां महासागरों में पाई जाती हैं और 200 मीटर की गहराई में रहती हैं. मुख्य रूप से ये मछलियां प्लवक खाकर अपना पेट भरती हैं. लेकिन ये बाकी मछलियों की तुलना में काफी तेज और फुर्तीली होती हैं. जब कोई शिकार इन पर हमला करता है, अपनी रीढ की हड्डी को अपने हि

कैसे उड़ती मछली?

जानकारी के मुताबिक वैसे तो ये मछली ज्यादातर पानी में ही रहना पसंद करती है. लेकिन इनमें लंबी छलांग लगाने या उड़ने की अविश्वसनीय क्षमता मौजूद होती है. दरअसल फ्लाइंग फिश पानी के बाहर छलांग लगाती है और अपने पंखों को फैलाकर काफी दूरी तक उड़ सकती हैं. इन मछलियों के पंखों का आकार विमानों के विंग्स की तरह काम करते हैं, जो इन्हें हवा में टांगे रखता है. फ्लाइंग फि?श को एक बार में 45 सेकेंड तक उड़ते हुए रिकॉर्ड किया गया है. वहीं यह लगभग 180 फिट तक जा सकती हैं. लेकिन फ्लाइंग फिश को बहुत कम बार उड़ते हुए देखा जाता है. ये अक्सर शिकारियों से बचने के लिए ऐसा करते हैं. अधिकांश समय ये पानी के नीचे ही रहना पसंद करते हैं. ट्यूना और स्वोर्डफ़िश बेहद चुस्त और तेज़ शिकारी हैं, जो इन्हें अपना शिकार बनाती हैं. इनसे बचने के लिए फ्लाइंग फिश यह आक्रामक तरीका अपनाती हैं. कई बार ऐसा भी होता है कि ये समुद्री नावों पर कूदकर आ जाती हैं, जिससे इनकी जान बच सके. हालांकि आसमान में उड़ना भी इसके लिए सुरक्षित नहीं होता है. क्योंकि आसमान में फ्रिगेट पक्षी अक्सर ऊपर से घात लगाकर बैठे रहते हैं और ऊंची छलांग लगाने वाली किसी भी उड़ने वाली मछली को तुरंत पकड़ लेते हैं.

क्यों उल्टी बह रही है नर्मदा नदी

भारत की प्रमुख नदी नर्मदा नदी को गंगा के तरह पवित्र माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये नदी उल्टी क्यों बहती है. चलिए जानते हैं. नर्मदा नदी मध्य प्रदेश और गुजरात राज्यों के लिए महत्वपूर्ण स्त्रोत है. जिसके जरिए करोड़ों घरों तक पीने का पानी पहुंच रहा है. नर्मदा घाटी में जैव विविधता भी खूब पाई जाती है. वहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि ये नदी सीधी नहीं बल्कि उल्टी बहती है. अब आपके मन में ये सवाल उठा होगा कि लेकिन ऐसा होता क्यों है. तो चलिए इसके पीछे के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व को समझते हैं. जहां सभी नदियां पश्चिम से पूर्व की ओर बहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं वहीं नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहकर अरब सागर में मिल जाती है. दरअसल नर्मदा नदी के उल्टी दिशा में बहने का मुख्य कारण रिफ्ट वैलीज़ है. रिफ्ट वैली दरार वाली घाटी होती है जिसके कारण नदी का बहाव ढलान के विपरीत दिशा में होता है. वहीं इसके पीछे

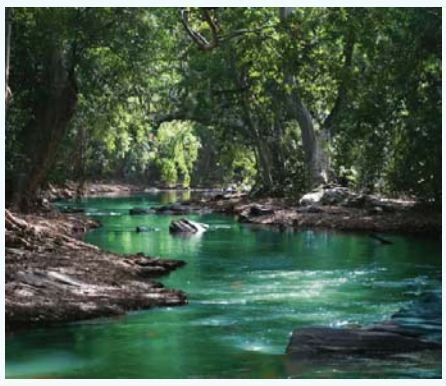

का पौराणिक कारण है कि इस नदी का विवाह सोनभद्र के साथ तय हुआ था, लेकिन नर्मदा की सहेली जोहिला को सोनभद्र पसंद आ गया. नर्मदा ने दुखी होकर आजीवन कुंवारी रहने का फैसला किया और विपरीत दिशा में बहने लगी.

धरती की सबसे बदतर जगह! जिसे नरक का द्वार भी कहा जाता है, फिर भी रहते हजारों लोग

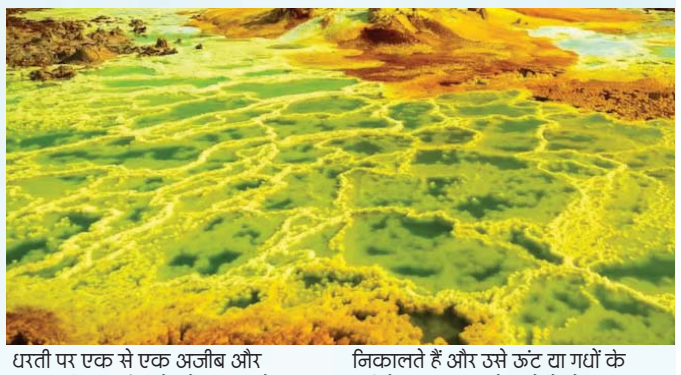

धरती पर एक से एक अजीब और रहस्यमयी जगह हैं, जो हमें आश्चर्य से भर देती हैं. लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जिसे नरक का द्वार कहते हैं. इसे दुनिया की सबसे बदतर जगहों में गिना जाता है. क्योंकि यहां सालभर आसमान से 'आग' बरसती रहती है. फिर भी हजारों लोग रहते हैं. पूरी दुनिया में इन दिनों गर्मी कहर बरपा रही है. लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है, लेकिन आज हम आपको एक ऐसी रहस्यमयी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक रहता है. इसे पृथ्वी पर सबसे गर्म स्थानों में से एक होने का खिताब मिला हुआ है. फिर भी हजारों लोग यहां रहते हैं. कहते हैं कि अगर धरती पर कहीं एलियंस हैं, तो वे यहां हो सकते हैं. इस जगह का नाम है 'डानाकिल डिप्रेशन', जो उत्तरी अफ्रीकी देश इथियोपिया में है. यहां का मौसम बेहद जालिम है. धरती पूरी तरह से सूखी हुई है. चिलचिलाती गर्मी पड़ती है और ऐसा लगता है कि आसमान से आग के गोले बरस रहे हों. इसके बावजूद इसे सबसे आकर्षक और सुंदर नेचुरल वंडर्स में से एक माना जाता है. इस जगह को देखने के लि?ए पूरी दुनिया से लोग आते हैं. यहां तमाम रंग-बिरंगे गर्म झरने हैं, जिनका पानी खौलता रहता है. झीलों से पानी की जगह खौलता लावा निकलता है. जमीन पर बने गड्ढों में सल्फर बुदबुदाता रहता है. कई जगह अम्लीय झरने बहते रहते हैं. चारों ओर नमक के मैदान हैं. देखने से आपको लगेगा कि आप किसी ज्वालामुखी में कूद गए हों. बेरहम मौसम होने के बावजूद अफार समुदाय के लोग इसे अपना घर मानते हैं. वे यहां के मौसम के आदी हो गए हैं. आमतौर पर अगर कोई इंसान यहां रहे तो पानी-पी पीकर परेशान हो जाएगा. लेकिन अफार समुदाय के लोगों को आम इंसानों की तरह बहुत ज्यादा भूख-प्यास भी नहीं लगती. ये लोग यहां से नमक निकालते हैं और उसे ऊंट या गधों के जरिये दूर के शहर मेकेले में ले जाकर बेचते हैं. मेकेले में काफी मशहूर बाजार है. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए इन्हें सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करनी होती है. पूरा इलाका रेगिस्तानी होने की वजह से यहां जाने में हफ्तों लग जाते हैं. यहां सालभर औसत तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहता है. धरती पर कहीं भी औसत तापमान साल भर इतना नहीं रहता. कभी बहुत ज्यादा ठंड होती है, तो कभी बहुत ज्यादा गर्मी. लेकिन इस इलाके में तापमान 35 डिग्री से कम कभी नहीं रहता. बारिश भी बेहद कम या यूं कहें कि ना के बराबर होती है. गर्मी के दिनों में यहां तापमान हमेशा 50 डिग्री से ऊपर रहता है. यहां के जालिम हालात की वजह से लोग इसे नरक का द्वार भी कहते हैं. 'डानाकिल डिप्रेशन' समुद्र तल से करीब सवा सौ मीटर नीचे है. यहां धरती की तीन टेक्टॉनिक प्लेट्स मिलती हैं. ये वो प्लेट हैं, जिन पर हमारे महाद्वीप और महासागर हैं, जो हर साल एक दूसरे से दूर हो रही हैं. धरती के अंदर हो रही इस उथल पुथल की वजह से यहां आग निकलती रहती है. पियलता लावा यहां बड़े इलाके में फैला हुआ है. पूरे इलाके में कई सक्रिय ज्वालामुखी हैं जो आग और राख उगलते रहते हैं. अगर आप यहां गए, लगेगा कि किसी दूसरे ग्रह पर पहुंच आए हों. यहां बहने वाली छोटी सी अवाश नदी यहां के लोगों की लाइफलाइन है. इसी के बहाने ये लोग जीते हैं. आवाश नदी भी गजब की है. समंदर तक नहीं जाती. भीषण गर्मी की वजह से इसका पानी बीच में ही सूख जाता है. तलहटी पर नमक जम जाता है. फिर यही नमक यहां के लोगों के जीवन यापन का जरिया बन जाता है. अगर आप ऐसी जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, भरपूर पानी लेकर जाना होगा. गर्मी से बचने के लिए कपड़े और मजबूत जूते होने चाहिए.

शराब पीकर नहीं चढ़ेगा 'अल्कोहल' का सुरूर, एक गोली उतार देगी पूरा नशा

शराब पीकर नशे में धुत होने से कई लोग परेशान रहते हैं. कई लोग चाहते हैं कि कोई ऐसी चीज मिल जाए जो शराब के नशे को तुरंत दूर कर दे. क्या यह अच्छा नहीं होगा अगर आप केवल एक गोली खा कर रात में शराब के असर से बच जाएं ? रिसर्चर्स अब उस रियलिटी की तरफ एक कदम आगे बढ़ गए हैं. वे एक ऐसा जैल विकसित कर रहे हैं जो शराब के नशे को जल्दी दूर करेगी और सुरक्षित भी रहेगी. यह जैल आयरन एटम और मिल्क प्रोटीन बीटा-लैक्टोग्लोबुलिन का एक कॉम्बिनेशन है. जब यह जैल पाचन तंत्र में अल्कोहल से टकराता है, तो ये कॉम्बिनेशन एक एंजाइम की तरह नकल करता है और इथेनॉल को एसीटेट में बदल देता है. श्रञ्ज॥ ज्यूरिख की फूड साइंटिस्ट जियाकी सु और उनके साथियों ने हाल ही में ये रिसर्च स्टडी नेचर नैनोटेक्नोलॉजी में दी है. यह स्टडी अल्कोहल के असर को तुरंत कम करने का तरीका खोजने से जुड़ी है.

शराब से यूं होता है नशा

हमारा शरीर खुद ही अल्कोहल को तोड़ता है, तब इससे बाय-प्रोडक्ट एसीटैल्डिहाइड का प्रोडक्शन होता है. इसी से लोगों को शराब का नशा यानी हैंगओवर होता है. एसीटैल्डिहाइड से लीवर को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है.

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के बायोकेमिस्ट हुओ जू कहते हैं कि नए जैल की एक बहुत अच्छी खूबी यह है कि ये अल्कोहल को सीधे एसीटेट में बदल देता है. इसका मतबल है कि बीच में टॉक्सिक चीज नहीं बनती है. यह हाइड्रोजेल-बेस्ड नैनो-लीवर की तरह है जो हमारे लिए काम करता है.

शराब से हर साल 30 लाख मौतें ज्यादातर शराब पेट और आंतों की म्यूकस मेंबरेन लेयर के जरिए खून के बहाव में एंट्री करती है. इन दिनों यह बात आम है कि शराब की थोड़ी मात्रा भी लोगों के फोकस करने और रिएक्ट करने की क्षमता को खराब कर देती है. इसकी वजह से एक्सीडेंट का खतरा बढ़ जाता है. नियमित तौर पर बड़ी मात्रा में शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है.

इम्यून सिस्टम में साइंटिस्ट ने किया कुछ ऐसा, उम्र ढलने की बजाय होने लगी जवान

अक्सर लोग बढ़ती उम्र को देखकर चिंतित हो जाते हैं. उम्र बढ़ने के साथ होने वाले बदलावों पर कई साइंटिफिक रिसर्च भी चल रहे हैं. हाल ही में पब्लिश एक रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. इस रिसर्च के एक्सपेरिमेंट के नतीजों से पता चला कि उम्र बढ़ने के बजाय जवान होने लगी है. स्टेम-सेल रिसर्चर कैरोलिना फ्लोरियन को इस बात पर विश्वास नहीं हुआ जब उन्हें पता चला कि वह जो रिसर्च कर रही थीं, उसमें उम्र बढ़ने के बजाय जवान हो रही है.

दरअसल, यह रिसर्च चूहों पर चल रही थी. उनके लैबोरेटरी में बुजुर्ग चूहे युवा दिखने लगे थे. एक्सपेरिमेंट के दौरान वे ज्यादा चमकदार हो गए.

उन्होंने कई हफ्ते पहले एक दवा के साथ उनका हल्का इलाज किया था जिसने एक खास तरह के स्टेम सेल के अंदर प्रोटीन को ठीक किया था. जब टेक्निशियन जो इस एक्सपेरिमेंट को दो दूसरी लैबोरेटरी में दोहरा रहे थे, उन्हें भी वही नतीजे मिले.

इससे उन्हें भरोसा होने लगा कि इस तरीके से इलाज करने पर किस तरह जानवर जवान हो रहे हैं. 2020 और 2022 में दो पेपर्स में उनकी टीम ने बताया कि कैसे यह नजरिया चूहों की लाइफ को बढ़ाता है और उन्हें बुढ़ापे में फिट रखता है.

एंटी-एजिंग को लेकर फ्लोरियन के रिसर्च का लक्ष्य इम्यून सिस्टम है. उन्होंने जिन स्टेम सेल्स का इलाज किया, उन्हें हेमेटोपोएटिक , या ब्लड, स्टेम सेल्स (एचएस सेल्स) कहा जाता है, जो सभी इम्यून सेल्स को जन्म देते हैं. जैसे ही ब्लड सर्कुलेट होता है, सेल्स का मिक्स हर अंग में फैल जाता है और बॉडी के सभी फंक्शन को प्रभावित करता है.

लेकिन एचएस सेल्स का मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर उम्र के साथ बदलता रहती है, और इससे उनसे बने इम्यून सेल्स का संतुलन बिगड़ जाता है. नेचर के मुताबिक, फ्लोरियन, जो अब बेलविट्ज बायोमेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में हैं, कहती हैं कि समय के साथ उनमें (इम्यून सिस्टम) होने वाले बदलाव को ठीक करने से उम्र बढ़ने की कई समस्याएं ठीक हो जाती हैं. ऐसा केवल इम्यून सिस्टम में ही नहीं बल्कि शरीर के बाकी हिस्सों में भी होता है.मार्च में एक अन्य टीम ने दिखाया कि दो खास तरह के इम्यून सेल्स के बीच बैलेंस बनाने से बूढ़े चूहों को ज्यादा जवान इम्यून सिस्टम मिलता है, जिससे जानवरों की वैक्सीन पर रिएक्ट करने और वायरल इन्फेक्शन से बचने की क्षमता में सुधार होता है. चूहों में मिले बेहतर नतीजे इसी तरह का नतीजा निकालने के लिए कुछ साइंटिस्ट्स ने अलग एक्सपेरिमेंट्स किए हैं. इम्यून सिस्टम को फिर से बेहतर करने से जानवर के शरीर में कई अंगों का कायाकल्प हो जाता है, कम से कम चूहों में तो ऐसा होता है. सबसे दिलचस्प बात यह है कि सबूत बताते हैं कि इम्यून-सिस्टम की उम्र बढ़ने से वास्तव में अंगों की उम्र भी बढ़ने लगती है.

लोगों को उनकी जिंदगी के आखिरी दिनों में स्वस्थ रहने में मदद करने की क्षमता सिडक्टिव है. लेकिन इस नॉलेज को क्लिनिक तौर पर लाना चैलेंजिंग हैं.

रिसर्चर्स ने चेतावनी दी है कि इम्यून सिस्टम के साथ बहुत ज्यादा छेड़छाड़ करना खतरनाक हो सकता है. इसलिए सबसे पहले जरूरी यह है कि कम रिस्क वाले टारगेट पर ही ध्यान दिया जाए, जैसे- टीकाकरण के प्रति बूढ़े लोगों के रिस्पॉन्स में सुधार करना और कैंसर इम्यूनोथेरेपी की एफिशिएंसी में सुधार करना.

कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड मेडिकल स्कूल में स्टेम सेल साइंटिस्ट विटोरियो सेबेस्टियानो कहते हैं, च्च्यह संभावना अच्छी है कि इम्यून को रिवर्स करने से बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों को कंट्रोल किया जा सकता है.

गर्मी के मौसम में हो रही है थकावट ? कहीं आप भी तो हीट एग्ज़ॉस्शन का नहीं हैं शिकार

देश के कई हिस्से इस समय भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं. कुछ इलाकों में तापमान 45 डिग्री के पार चला गया है. गर्मी के कारण लोगों को कई परेशानियां हो रही हैं. इस तेज गर्मी में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है. इसके अलावा गर्मी के कारण लोग थकावट भी महसूस कर रहे हैं. इस परेशानी को हीट एग्ज़ॉस्शन कहा जाता है. डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में बीते कुछ दिनों से इस समस्या के मरीजों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ चुकी है. अस्पतालों में क्रैम्प्स पड़ने, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और दस्त जैसी परेशानियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ये सभी लक्षण हीट एग्ज़ॉस्शन के होते हैं. जो लोग मोटापा, किसी गंभीर के मरीज हैं और जिनके शरीर में पानी की कमी हो जाती है वह हीट एग्ज़ॉस्शन का शिकार हो जाते हैं. इस वजह से मरीजों में घबराहट, अत्यधिक कमजोरी, बेहोशी, सिरदर्द, पेट में मरोड़, मितली, उलटी, दस्त जैसी परेशानियां होने लगती हैं. अगर आपको भी ऐसे लक्षण दिख रहे हैं तो डॉक्टरों से सलाह लेनी चाहिए. हीट स्ट्रोक का भी खतरा दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में डॉ रेणु सहावतबताती हैं कि गर्मी के इस मौसम में हीट स्ट्रोक के केस बढ़ जाते हैं. ये एक खतरनाक बीमारी है जो मौत का कारण तक बन सकती है. हीट स्ट्रोक तब होता है जब शरीर का तापमान 105एफ्न (40.6एष्ट) तक बढ़ जाता है. हीट स्ट्रोक अक्सर तब होता है जब गर्मी के अन्य रोग जैसे कि क्रैम्प्स और हीट एग्ज़ॉस्शन बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच जाते हैं. आमतौर पर ज्यादा देर तक गर्मी में रहने से हीट स्ट्रोक हो सकता है. इन बातों का रखें ध्यान डॉ रेणु के मुताबिक, जैसे ही किसी के शरीर का तापमान बढ़ने लगे और इसके साथ ही चक्कर या सिरदर्द होने लगे तो व्यक्ति को अस्पताल जाना चाहिए. इसके अलावा अगर किसी को हीट क्रैम्प्स और हीट एग्ज़ॉस्शन है तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. हीट एग्ज़ॉस्शन से बचाव कैसे करें नोएडा के फोर्टिस हॉस्पिटल में डायरेक्टर डॉ. अजय अग्रवाल बताते हैं कि हीट एग्ज़ॉस्शन से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए (करीब 2 से 3 लीटर प्रतिदिन) बाहर जाएं तो सूती कपड़े पहनें. बाहर से घर आने पर सीधा आकर पंखे, एसी या कूलर में न बैठे और पहले अपने शरीर के तापमान को नॉर्मल करें. बच्चों और बुजुर्गों को घरों से बाहर नहीं निकलने दें क्योंकि सूरज की तेज किरणों की वजह से उनको डिहाइड्रेशन हो सकता है. जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा रहता है. दोपहर 12 से 4 के बीच में बाहर जाने से बचें।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अब आरटीओ जाकर टेस्ट देने की बाध्यता खत्म, झंझटों से मिली मुक्ति : केंद्र ने बनाए आसान और नए नियम

राजनांदगांव (दावा)। चाहे टू व्हीलर हो या फोर व्हीलर को चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत होती है। लाइसेंस बनाने के लिए आरटीओ जाना पड़ता है। 18 साल से ऊपर सभी भारतीय नागरिक ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आरटीओ ऑफिस में आवेदन दे सकता है। लेकिन आरटीओ के सिस्टम को देखकर नागरिकों को कई बार वापस भी लौटना पड़ता है। यह एक ऐसा सरकारी विभाग है जो सबसे बड़ा दलालों का अड्डा समझा जाता है। आए दिन आरटीओ दफ्तर में मुख्यमंत्री से लेकर आला अधिकारी छापेमारी के साथ निरीक्षण करने भी पहुंचते हैं। उसके कुछ दिनों तक व्यवस्था ठीक रहती है लेकिन फिर वैसी हो जाती है। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) के लिए सबसे मुश्किल काम ड्राइविंग टेस्ट को पास करने का होता है जिसमें हमेशा देरी होती है, जैसा की आप सभी को पता है बिना ड्राइविंग टेस्ट पास किये बिना आपको ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जा सकता है। भारत में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना एक कठिन प्रक्रिया मानी जाती है, क्योंकि इसके लिए आवेदक को कई तरह के फॉर्म भरने होते हैं। इन कमियों को दूर करने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत में मौजूदा ड्राइविंग नियमों में बड़े बदलाव करने की घोषणा की है। ये बदलाव न सिर्फ सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे बल्कि, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाएंगे। लाइसेंस बनवाने के लिए अब कम कागजी कार्रवाई करनी होगी। आपको सिर्फ वही जरूरी दस्तावेज देने होंगे, जो आपके लाइसेंस के प्रकार के हिसाब से बताए जाएंगे। परिवहन विभाग आपको पहले ही बता देगा कि आपको कौन-से दस्तावेज चाहिए। यह नियम 1 जून 2024 से लागू होंगे। इसके तहत अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों यानी आरटीओ में टेस्ट देने की जरूरत नहीं होगी। आप यह टेस्ट प्राइवेट ट्रेनिंग सेंटर में भी दे सकते हैं। यहां से मिले सर्टिफिकेट को लाइसेंस के आवेदन में इस्तेमाल किया जाएगा। पहले तो टेस्ट सिर्फ आरटीओ ऑफिस में ही होता था, अब आप अपनी पसंद के किसी भी नजदीकी टेस्ट सेंटर पर टेस्ट दे सकते हैं। ये टेस्ट सेंटर प्राइवेट कंपनियां चलाएंगी, जिन्हें सरकार से मान्यता प्राप्त होगी।

नए नियमों के अनुसार प्राइवेट ट्रेनिंग स्कूलों को सरकार से मान्यता प्राप्त होना चाहिए:

नए नियम के मुताबिक अब आप किसी प्राइवेट इंस्टीटयूट में जाकर भी ड्राइविंग का टेस्ट दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको इस बात का ध्यान रखना है कि यह नियम सभी ड्राइविंग स्कूल और प्राइवेट इंस्टीटयूट पर लागू नहीं होता। इसके लिए आरटीओ द्वारा मान्यता प्राप्त ड्राइविंग स्कूल से ही ड्राइविंग टेस्ट पास कर सकते हैं। तभी आपको ड्राइविंग लाइसेंस मिलेगा। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए जारी किए गए नए नियमों के अनुसार सिर्फ वही ट्रेनिंग सेंटर और ड्राइविंग स्कूल मान्य होंगे जो कम से कम 1 एकड़ की जमीन पर बने होंगे। इसके साथ ही इंस्टिट्यूट में जो ट्रेनर ड्राइविंग की ट्रेनिंग देंगे। उनके पास कम से कम हाई स्कूल डिप्लोमा या उसके बराबर की डिग्री होना भी अनिवार्य है। इसके साथ ही ट्रेनर को कम से कम 5 साल का ड्राइविंग एक्सपीरियंस होना जरूरी है। वहीं ट्रेनर को फंडामेंटल बायोमेट्रिक और आईटी सिस्टम के बारे में भी पता होना चाहिए। हल्के वाहनों को लेकर ट्रेनिंग का समय 4 हफ्ते और 29 घंटे तय किया है। तो वही भारी वाहनों के लिए इसके लिए मिनिमम 38 घंटे जरूरी है। जिनमें 8 घंटे की थ्योरी क्लासेस भी शामिल हैं। गाड़ी चलाते समय बिना लाइसेंस पकड़े जाने पर अब और सख्त सजा मिलेगी। जुर्माना 2,000 रुपये तक हो सकता है। अगर कोई नाबालिक गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके माता-पिता पर भी 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है, साथ ही गाड़ी का रजिस्ट्रेशन भी रद्द हो सकता है। लाइसेंस के लिए आवेदन करने का तरीका अभी भी वही रहेगा। आप ऑनलाइन या सीधे आरटीओ कार्यालय जाकर आवेदन कर सकते हैं।

कितनी होगी ड्राइविंग लाइसेंस की फीस

- 0 लर्नर लाइसेंस जारी करने की फीसः 150 रुपए
- 0 लर्नर लाइसेंस टेस्ट फीसः 50 रुपए
- 0 ड्राइविंग टेस्ट फीसः 300 रुपए
- 0 ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की फीसः 200 रुपए
- 0 इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट जारी करनाः 1,000 रु.
- 0 लाइसेंस में अन्य गाड़ियों को जोड़ने की फीसः 500 रु.
- 0 ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यूअलः 200 रुपए (ग्रेस पीरियड के बाद 300 रुपए + 1,000 रुपए हर साल)
- 0 ड्राइविंग इंस्ट्रक्शन स्कूल के लिए डुप्लीकेट लाइसेंस- 5,000 रुपए

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने सीएम ममता बनर्जी का पुतला फूंका

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव वर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मानव मंदिर चैक में आज शाम पुतला दहन किया।

भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कोलकाता उच्च न्यायालय ने संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत गलत ढंग से पिछड़ा वर्ग के कोटे में अल्पसंख्यक वर्ग के मुसलमानों को ममता बनर्जी द्वारा दिये गये आरक्षण को रद्द कर दिया हैं। न्यायालय के इस फैसले को ममता बनर्जी ने मानने से इंकार कर दिया है, जो न्यायालय की अवमानना है। इसके विरोध में देशभर में आज भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने ममता बनर्जी का पुतला दहन कर विरोध प्रकट किया है। इस संदर्भ में स्थानीय मानव मंदिर चैक में जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारे लगाते हुये उनका पुतला दहन किया व उन पर संवैधानिक कार्यवाही की मांग की। इस दौरान अनुराग चौरसिया, राजेश बिसने, माधव साहू, संदीप सोनी, विजय कुमार सिन्हा, विजय सिन्हा, सुशील गुप्ता, मनोज ढीमर, सोनू यादव, मधु बैद, मनोज हिरवानी, तोरन देवांगन, राजेश यादव, एन.के.साहू, आकाश चोपड़ा, भीषम देवांगन, अशोक खंडेलवाल, भरत वर्मा, ईश्वर निर्मलकर, प्रमोद साहू, गप्पू सोनकर, अजीत जैन, विजय राय, सतीश धीवर, विजय देवांगन, देवशरण सेन, विनोद श्रीरंगे, सुन्दर पोददार, लल्लू यादव, हितेश कोटक सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

26 मई को होने वाली परीक्षा हुई रद्द

रायपुर (दावा)। शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन की परीक्षा स्थगित हो गयी है। शीघ्रलेखन और मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परिषद्, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन की विभिन्न गति की डिप्रेशन प्रति घंटे के मान से आयोजित की जाने वाली कौशल परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। यह परीक्षा प्रदेश के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं बस्तर संभाग में 26 मई, 2 जून, 9 जून और 16 जून को परिषद द्वारा आयोजित की जाने वाली थी।

नयी तारीखों का जल्द होगा ऐलान

परिषद द्वारा परीक्षाओं के पुनः आयोजन करने संबंधित आगामी तिथि निर्धारित कर सर्वसंबंधित परीक्षार्थियों के लिए प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित की जाएगी। साथ ही परिषद की वेबसाईट https://shiksha.cg.nic.in/ctsp पर तिथियों की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

राज्य में विजिलेंस सिस्टम लागू टैक्स चोरी पर कसेगी नकेल

वित्तमंत्री के निर्देश पर सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पंजीयन और मुद्रांक विभाग में विजिलेंस सिस्टम लागू कर दिया गया है। यह राज्य का तीसरा प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाला विभाग है। विभाग के राजस्व योगदान को बढ़ाने और किसी भी संभावित राजस्व कर चोरी को रोकने के लिए विभागीय मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक कार्यालय में एक सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। वर्तमान में पंजीयन और मुद्रांक संबंधित प्रकरणों में कर निर्धारण अधिकारी द्वारा त्रुटि पूर्ण निर्धारण होने पर उसकी पहचान तथा रिएसेसमेंट (पुनर्मूल्यांकन) की कोई सार्थक व्यवस्था नहीं थी। सतर्कता प्रकोष्ठ बड़े मूल्य की रजिस्ट्री की जांच एवं परीक्षण कर उसमें किसी भी संभावित कर अपवंचन का पता लगाएगा।

5 करोड़ की रजिस्ट्री की समीक्षा सतर्कता प्रकोष्ठ करेगा

विजिलेंस प्रकोष्ठ द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों, कारखानों के अधिग्रहण, समामेलन तथा स्वामित्व अंतरण के प्रकरणों में निर्धारित बाजार मूल्य एवं स्टांप शुल्क की जांच सतत रूप से की जाएगी। उप पंजीयक कार्यालय में 5 करोड़ से अधिक कीमत की रजिस्ट्री की समीक्षा भी सतर्कता प्रकोष्ठ करेगा। सतर्कता प्रकोष्ठ अपने कार्यों के निष्पादन के लिए दूसरे विभागों से सहायता प्राप्त कर सकेगा, मौके पर जाकर स्थल निरीक्षण भी कर सकेगा।

टैक्स चोरी की जानकारी सतर्कता प्रकोष्ठ उपलब्ध कराएगी

अत्याधुनिक तकनीक से डाटा एनालिसिस के द्वारा सतर्कता प्रकोष्ठ को इनपुट उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष डेटा विश्लेषण टीम की स्थापना सतर्कता प्रकोष्ठ के अन्तर्गत की जाएगी। यह टीम पंजीयन दस्तावेज़ो से प्राप्त डेटा पर विश्लेषण कर संभावित कर अपवंचन (टैक्स चोरी) के प्रकरणों की जानकारी सतर्कता प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराएगी। देश के दूसरे राज्यों तथा दूसरे कराधान विभागों में कर प्रणाली में समय-समय पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन एवं समायोजन भी सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा किया जाएगा। सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना से कर अपवंचन में प्रभावी रोकथाम तथा राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी।

भंवरमरा के ग्रामीणों द्वारा ऑक्सीजोन में अतिक्रमण की गई जगह पर बिना अनुमति कार्यक्रम का किया विरोध

राजनांदगांव (दावा)। आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम पंचायत भंवरमरा तथा ग्रामवासियों के विरोध के बावजूद बुद्ध धर्मावलंबियों द्वारा भारी पुलिस व्यवस्था के बीच कार्यक्रम एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। जबकि पुलिस तथा प्रशासन द्वारा आयोजित समन्वय बैठक में बुद्ध धर्म प्रतिनिधि धम्मपद ने कहा था 40-50 लोग आएंगे, कार्यक्रम करेंगे और चुपचाप साफ सफाई व्यवस्था करके चले जाएंगे तथा वर्तमान स्थिति में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

आज ग्राम पंचायत द्वारा उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों से पुनः गुजारिश की गई कि संबंधित कब्जाधारी को गांव के द्वारा कभी भी निर्माण तथा विद्युत कनेक्शन बाबत एनओसी प्रदान नहीं की गई है। तब कैसे इन्हें लंबी दूरी से रोड क्रॉस करके इलेक्ट्रिक पोल लगा के विद्युत कनेक्शन प्रदान किया गया है। इनका विद्युत कनेक्शन डिस्कनेक्ट करके जमीन को कब्जा मुक्त करने की मांग की गई। तथा भविष्य में किसी भी संस्था को बिना ग्रामवासियों के इजाजत के कार्यक्रम नहीं करने देने की मांग की गई अन्यथा विपरीत परिस्थिति निर्मित होने की जवाबदारी प्रशासन की होगी। ऑक्सीजोन जिस उद्देश्य के लिए बनाया है, उसी उद्देश्य के लिए इस पूरे क्षेत्र को सुरक्षित रखा जाए। इसके साथ ही ऑक्सीजोन में अन्य निजी अतिक्रमण की जांच की मांग भी दोहराई गई।

शीघ्र ही समस्त ग्रामवासी राजनांदगांव विधायक तथा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर त्वरित कार्यवाही की मांग करने वाले हैं। इस अवसर पर सरपंच पुष्प लता साहू, ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साहू, पूर्व उपसरपंच दिलीप साहू, पंच मनोज साहू, प्रवीण लहरे, तिलक सिन्हा, ग्राम महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती तारा सोनकर के साथ ही भारी संख्या में ग्रामवासी तथा ऑक्सीजोन के संरक्षण के लिए लगातार प्रयासरत आध्यात्मिक संस्था सन टू ह्यूमन संगठन के डॉ नरेंद्र नाहटा, विकास अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, अनिल जैन तथा जवाहर सिन्हा भी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 4 जून को होने वाले मतगणना के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस कार्पोरेशन कृषि उपज मंडी बसंतपुर राजनांदगांव के स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष का निरीक्षण किया।

- ० जिले में मतगणना के लिए किए गए पुख्ता इंतजाम की प्रशंसा की
- ० मतगणना हाल में मोबाईल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित

मतगणना 4 जून को छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस कार्पोरेशन कृषि उपज मंडी बसंतपुर में

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभावार मतगणना कक्ष, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व एजेंट की बैठक व्यवस्था, प्रवेश पास, सीसीटीवी कैमरा मॉनिटरिंग, सुरक्षा व्यवस्था, उद्घोषक कक्ष एवं मीडिया सेंटर का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सूचना एवं टेक्नोलाजी का प्रयोग करते हुए राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अन्य जिलों के विधानसभा क्षेत्र की जानकारी गूगल लिंक के माध्यम से डेटा अपडेट होगा। उन्होंने राजनांदगांव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के समस्त मतदान केन्द्रों के मतदान का परिणाम समेकित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में मतगणना के लिए किए गए पुख्ता इंतजाम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मतगणना हाल में मोबाईल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन मीडियाकर्मी मीडिया सेंटर तक मोबाईल ले जा सकते हैं। उन्होंने पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं मतगणना अभिकर्ताओं के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतगणना कक्ष में कम्प्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सहित आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने पोस्टल बैलेट एवं ईटीबीपीएस के मतों की गणना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आने जाने के लिए प्रवेश मार्ग का भी अवलोकन किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए उन्हें वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचनाएं प्रदान की जा रही है। ईव्हीएम रनर की अलग पहचान के लिए टी-शर्ट प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा, एसडीएम राजनांदगांव अतुल विश्वकर्मा, डीएसपी सुश्री प्रिया तनुप्रिया ठाकुर, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सुरेश एच लाल, रूपेश दुबे, अरूण शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तंत्र मंत्र के फेर में व्यक्ति ने गवाए साढ़े पांच लाख

राजनांदगांव (दावा)। शहर के पाश इलाका रिद्धि-सिद्धी कालोनी में एक व्यक्ति तंत्र-मंत्र के फेर में साढ़े पांच लाख रूपए गंवा दिए। बताया जाता है कि रिद्धी-सिद्धी कालोनी निवासी सियाराम साहू के घर पहुंच कर तांत्रिक गिरधारी साहू उर्फ राजा उर्फ सागर कुलकर्णी ने आर्थिक परेशानी दूर करने के नाम पर पूजा-पाठ की।

पूजा-पाठ के दौरान तांत्रिक ने घर में रखे नगदी रकम और सोने-चांदी के गहने को लाने का सियाराम साहू ने घर में रखे करीब पांच लाख रूपए और सोने चांदी के जेवरातों को तांत्रिक के पास लाकर रख दिया। इस दौरान तांत्रिक ने शुद्धिकरण करने छत में जाने की बात कही और सियाराम को कमरे में शांति से बैठे रहने को कहा। इस बीच तांत्रिक नगद साढ़े पांच लाख रूपए लेकर छत के रास्ते से फरार हो गया। घटना के सम्बंध में काफी दिनों बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात सामने आ रही है।

हत्या का फरार सह आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। चौकी चिखली थाना क्षेत्र में हुई एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्या कर फरार सह-अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अपराध में शामिल अन्य आरोपियों के पता तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बताया जाता है कि गत 11 मार्च को प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि उसका लड़का किशन साहू उर्फ झिल्ली अपने दोस्तों के साथ मोटर सायकल से काई तालाब की ओर गया हुआ था जहाँ पर करीबन 03 बजे दोपहर रोहित, हरसु, अम्मु यादव, विन्नु तलकई व अन्य मिलकर मेरे लडके किशन साहू उर्फ झिल्ली को पुरानी रंजिश को लेकर माँ बहन की गाली गलौच करते हुए जान से मारने के लिए चाकु, हाकी स्टीक, डण्डा से घेरकर मारपीट किये।

अन्य आरोपियों का पता तलाश जारी

इस दौरान चाकू से सीना, पेट, पीठ, पर प्राणघातक चोट लगने से इलाज हेतु उसे हास्पीटल में भर्ती कराया गया था जहाँ उसकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने इस पर धारा 302,34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर मामले में आरोपी अमित यादव, हर्षु बघेल, रोहित मंडावी को गिरफ्तार कर लिया गया था तथा अन्य आरोपी फरार थे आरोपियो की पतासाजी हेतु जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में चौकी चिखली पुलिस की टीम गठित कर फरार सह आरोपियों की पता साजी हेतु लगातार दबिश दिया जा रहा था।

मुखबीर की सुचना पर गुरुवार 23 मई को प्रकरण के सह आरोपी मानव कन्हैया पिता कमलेश कन्हैया उम्र 25 साल निवासी जमातपारा राजनांदगांव को गुरूनानक चौक से घेराबंदी कर पकडा गया। पुछताछ करने पर आरोपी मानव कन्हैया द्वारा घटना घटित करना स्वीकार कर घटना में प्रयुक्त डंडे को जप्त कराया आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया, प्रकरण के अन्य फरार सह आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी चिखली उप निरीक्षक नरेश कुमार बंजारे, सउनि शत्रुहन टण्डन, आरक्षक मनोज जैन, सिन्धु सिन्हा, राजकुमार बंजारा, कमल साहु का महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

आरटीई के अंतर्गत ड्राप आउट छात्रों की होगी जांच

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने सभी जिलों के कलेक्टर से आरटीई अंतर्गत ड्राप आउट विद्यार्थियों की जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के सभी कलेक्टर को जारी पत्र में कहा गया है कि जिले के गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधक, प्राचार्यों की बैठक 10 दिन के भीतर बुलाकर यह समीक्षा करें कि इनके विद्यालय में कितने विद्यार्थियों ने आरटीई के तहत प्रवेश लिया था। साथ ही उनमें से कितने बच्चे पढाई छोड़कर ड्राप आउट हो गए हैं। यह जानकारी पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में भेजी जाए। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि बीते पांच सालों में ड्राप आउट हुए बच्चों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा करें। साथ ही ड्राप आउट रोकने की दिशा में समुचित पहल करने का कष्ट करें। इससे जिले में आरटीई की मंशा के अनुरूप सभी बच्चे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कर सकें।

10 दिन के भीतर प्राचार्यों की बैठक बुलाकर करें समीक्षा

आवश्यकता है
रात्रिकालिन चौकीदार की आवश्यकता है।
-: संपर्क करें :-
दैनिक दावा
बल्देव बाग, राजनांदगांव
मो. 9300414726

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com